RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:186 ता. 11 जनवरी 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गाजियाबाद कब और कैसे पड़ा था नाम, जिसे बदल सकती है योगी सरकार; किससे जुड़ी कहानी

नई दिल्ली। इलाहाबाद, फैजाबाद की तरह अब उत्तर प्रदेश में एक और जिले का नाम बदलने की तैयारी चल रही है। संभव है कि जल्द ही गाजियाबाद को नया मिल जाए। गाजियाबाद नगर निगम की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास करके योगी आदित्यनाथ सरकार से इसकी गुजारिश की गई है। यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसे मंजूर करते हैं तो गाजियाबाद को नई पहचान मिल जाएगी। मेयर सुनीत दयाल ने बताया गाजियाबाद का नया नाम क्या रखा जाएगा यह शासन स्तर से तय होगा। भाजपा पार्षद शीतल देओल ने बोर्ड बैठक में जनपद का नाम बदलने की मांग की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मांग की जा रही है। इसके बावजूद गाजियाबाद का नाम नहीं बदला जा रहा। उन्होंने कहा कि जनपद का नाम बदलने के लिए सदन समर्थन करता है। भाजपा पार्षद संजय कुमार ने भी गाजियाबाद का नाम गजनगर या हरनंदी नगर रखने का प्रस्ताव रखा। लेकिन महापौर ने कहा कि गाजियाबाद का नाम नया नाम सदन तय नहीं करेगा। शासन जो भी चाहे वह नाम रख सकता है। इसके बाद भाजपा के पार्षद भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं कांग्रेस पार्षद अजय शर्मा और आदिल मलिक ने गाजियाबाद का नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया।

गाजीउद्दीनगर से हुआ था गाजियाबाद

गाजियाबाद की स्थापना वर्ष 1739-40 में हुई थी। गाजी-उद-दीन ने गाजीउद्दीनगर की स्थापना की थी। रेलवे स्टेशन का निर्माण होने के बाद शहर का नाम गाजीउद्दीनगर की जगह गाजियाबाद कर दिया गया था। 14 नवंबर 1976 को गाजियाबाद को जिला घोषित किया गया। इससे पहले यह मेरठ तहसील का हिस्सा था। गाजियाबाद का नाम गाजी-उद-दीन खान से जुड़ा हुआ है। जिले का मौजूदा नाम मुगलशासन के दौर से जुड़ा हुआ है। तब दिल्ली की तख्त पर औरंगजेब का शासन था और गाजी-उद-दीन यहां के नवाब थे। नवाब के नाम पर ही हिंडन नदी किनारे बसे नगर का नाम गाजीउद्दीनगर रखा गया था।

कारसेवकों पर गोली चलाने को स्वामी प्रसाद ने बताया सही, फिर से दे बैठे भाजपा को मुद्दा

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर अपने बयान से पुराने जख्म कुरेदते हुए बीजेपी को एक नया मुद्दा दे दिया है। सपा नेता ने कारसेवकों पर गोलीकांड को जायज ठहराया है।

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि पर बने भव्य राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां चल रही हैं। उधर, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर अपने बयान से पुराने जख्म कुरेदते हुए बीजेपी को एक नया मुद्दा दे दिया है। सपा नेता ने कारसेवकों पर गोलीकांड को जायज ठहराया है। उन्होंने कहा कि उस समय की उत्तर प्रदेश सरकार ने अमन चैन के लिए गोली चलवाई थी। गोली चलवाकर सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था। कारसेवकों को अराजक तत्व की संज्ञा देते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस समय अयोध्या में राममंदिर पर घटना घटी थी वहां पर बिना किसी न्यायापालिका या प्रशासनिक आदेश के अराजक तत्वों ने बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की थी। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने संविधान और कानून की रक्षा और अमन-चैन कायम करने के लिए गोली चलवाई थी। सरकार का यह कर्तव्य था जिसे सरकार ने निभाया था। बता दें कि स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार विवादित बयानों से सुर्खियों में बने हुए हैं। रामचरित मानस और सनातन पर उनके कई विवादित बयान सामने आ चुके हैं। इन बयानों को लेकर हिन्दूवादी संगठन और बीजेपी समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव को जिम्मेदार ठहराते हैं। अब कारसेवकों पर गोलीकांड को जायज ठहराकर उन्होंने बीजेपी को एक और मुद्दा दे दिया है।

कारसेवकों पर कब चली थी गोली

बता दें कि आज से करीब 33 साल पहले 1990 में अयोध्या जा रहे कारसेवकों पर गोली चली थी। उस समय यूपी में मुलायम सिंह यादव की अगुवाई वाली समाजवादी पार्टी की सरकार थी। मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री रहते कारसेवकों पर गोली चलवाने के आदेश का कई बार खुद भी बचाव किया था। पुलिस ने कारसेवकों पर गोली तब चलाई थी जब वे साधु-संतों की अगुवाई में अयोध्या कूच कर रहे थे। रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे जैसे नारों के साथ कारसेवकों की भारी भीड़ अयोध्या पहुंचने लगी थी। प्रशासन के निर्देश पर अयोध्या में कर्फ्यू लगा हुआ था। कारसेवकों और अन्य श्रद्धालुओं को अयोध्या जाने से पहले ही रोका जा रहा था। विवादित ढांचे के डेढ़ किलोमीटर के दायरे में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। इसी दौरान कारसेवकों के एक जत्थे ने आगे बढ़ने की कोशिश की और पुलिस ने उन पर गोलियां चला दीं।

याद किए जाते हैं ये दो दिन

कारसेवकों पर गोलीकांड को लेकर दो दिन हमेशा याद किए जाते हैं। पहली बार 30 अक्टूबर 1990 को कारसेवकों पर गोली चली थी। दूसरी बार दो नवम्बर को हनुमान गढ़ी के पास तक पहुंच गए कारसेवकों पर पुलिस ने गोलियां चलाईं। इन गोलीकांडों में कई कारसेवकों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के दो साल बाद छह दिसम्बर 1992 को विवादित ढांचे को गिरा दिया गया था।

मुलायम सिंह ने अफसोस जताते हुए फैसले का किया था बचाव

कारसेवकों पर गोली कांड के 23 साल बाद साल 2013 के जुलाई महीने में मुलायम सिंह यादव ने एक बयान में गोली चलवाने पर अफसोस जाहिर करते हुए भी अपने फैसले का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें इसका अफसोस है लेकिन और कोई विकल्प नहीं था।

मुनव्वर राना की हालत नाजुक, पीजीआई में भर्ती कराए गए; प्रशंसक मांग रहे दुआ

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राना की तबीयत बिगड़ गई है। उनकी हालत नाजुक है। उन्हें लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। इसके पहले लखनऊ के ही मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। मुनव्वर राना को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। वह किडनी की समस्या से ग्रसित हैं। पिछले दिनों उनकी डायलिसिस कराई गई थी। इसके बाद उन्हें पेट में दर्द की शिकायत हुई और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टर लगातार उनकी सेहत पर नजर बनाए हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित मुनव्वर राना की सप्ताह में तीन दिन डायलिसिस होती है। पिछले दिनों डायलिसिस के बाद उनके पेट में अचानक से दर्द उठा। स्वास्थ्य जांच कराई गई। बताया जा रहा है कि उनके फेफड़े में संक्रमण हो गया। निमोनिया की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। वह अभी ऑक्सीजन पर हैं। बीच-बीच में ऑक्सीजन हटाई भी जाती है। मुनव्वर राना देश के जाने-माने शायर हैं। उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और माटी रतन सम्मान से नवाजा जा चुका है। यूपी में योगी सरकार बनने के बाद वह लगातार सरकार की आलोचना करते रहे हैं। पिछले छह साल में कई बार सत्ता विरोधी बयानबाजियों के चलते वह सुर्खियों में रहे। मुनव्वर राना के परिवार के लोग और उन्हें चाहने वाले प्रशंसक जल्द से जल्द उनके स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर लग सकता है ग्रहण, मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

- **राहुल के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को लेकर बिरेन सिंह ने कहा, 'राहुल गांधी की रैली को अनुमति देने पर गहन विचार चल रहा है। हम विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों से रिपोर्ट ले रहे हैं।**

नई दिल्ली। मणिपुर के सीमावर्ती शहर मोरेह में हिंसा की ताजा घटना घटी है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की देशव्यापी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर ग्रहण लगता दिख रहा है। प्रदेश की सरकार ने अभी तक इस कार्यक्रम के लिए अनुमति नहीं दी है। हाल ही में भारत-म्यांमार सीमा पर मणिपुर पुलिस और उग्रवादियों के बीच हुई गोलीबारी के कारण मोरेह में स्थिति गंभीर बनी हुई है। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने गंभीर स्थिति को स्वीकार करते हुए कहा, सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए जिम्मेदार अपराधियों को पकड़ने के लिए असम राइफल्स, बीएसएफ और राज्य पुलिस के संयुक्त प्रयास से वर्तमान में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर बिरेन सिंह ने कहा, राहुल गांधी की रैली को अनुमति देने पर गहन विचार चल रहा है। हम विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों से रिपोर्ट ले रहे हैं। उनसे रिपोर्ट मिलने के बाद हम कोई ठोस निर्णय लेंगे। मोरेह में हालिया गोलीबारी सोमवार सुबह हुई। उग्रवादियों ने शहर के कुछ हिस्सों में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया। अधिकारियों ने हमले के दौरान मोर्टार गोले के इस्तेमाल की सूचना दी है। हालांकि दोनों तरफ से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले रविवार को वार्ड 7 और मोरेह बाजार में गोलीबारी और बम हमलों सहित कई घटनाएं हुई हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य 14 जनवरी को इंफाल पूर्वी जिले के हट्टा कांगजेइबुंग से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने का है। गुवाहाटी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने हाल ही में कहा कि पार्टी अभी भी मणिपुर सरकार से अनुमति का इंतजार कर रही है। आपको बता दें कि किभारत जोड़ो न्याय यात्रा एक महत्वाकांक्षी 66-दिवसीय यात्रा है जो बसों और पैदल 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह 110 जिलों, 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा क्षेत्रों से होकर 20 मार्च को मुंबई में समाप्त होती है।

दिल्ली में ठंड का कहर जारी, न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को भी ठंडा दिन रहा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत जितना ही है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो मौसमी औसत से छह डिग्री कम है। शहर में बुधवार सुबह 7:30 बजे सफदरजंग में सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 8:30 बजे दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है- उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। इनमें दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम होती है। भारतीय रेलवे के मुताबिक, कोहरे और शीत लहर के कारण कुल 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शहर भर के कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के आनंद विहार में पीएम2.5 का स्तर 307 पर बहुत खराब श्रेणी में और पीएम10 का 181 पर मध्यम श्रेणी में रहा। सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) 135 या मध्यम पर था। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा; 51 और 100 के बीच संतोषजनक; 101 और 200 के बीच मध्यम; 201 और 300 के बीच खराब; 301 और 400 के बीच बहुत खराब; तथा 401 और 500 के बीच गंभीरमाना जाता है। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल 3 पर भी पीएम2.5 का स्तर 292 रहा, जो खराब श्रेणी है, जबकि पीएम10 का स्तर 166 पर मध्यम श्रेणी में था।

किसी ऐरे-गैरे से नहीं ले सकता न्योता, अखिलेश यादव ने प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण ठुकराया

नई दिल्ली। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए जहां कई नेता न्योते का इंतजार कर रहे हैं, वहीं कुछ ऐसे हैं जो निमंत्रण लेने से ही इनकार कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जब विश्व हिन्दू परिषद के नेता आलोक कुमार इस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण देने पहुंचे तो सपा अध्यक्ष ने ना सिर्फ निमंत्रण लेने से इनकार कर दिया बल्कि उनकी वीएचपी नेता से तीखी बहस हो गई।

आलोक कुमार ने इस बारे में मीडिया को बताया कि विश्व हिन्दू परिषद ने समारोह के निमंत्रण के लिए सपा प्रमुख से संपर्क किया था, लेकिन अखिलेश ने कथित तौर पर कहा कि वह किसी अजनबी से ऐसा निमंत्रण स्वीकार नहीं करेंगे।

अखिलेश को निमंत्रण देने के मुद्दे पर आलोक कुमार ने कहा, हमने उनका पहले का बयान देखा था जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें बुलाया जाएगा तो वह आएंगे। इसीलिए उन्हें निमंत्रण भेजा गया लेकिन अब वह कह रहे हैं कि जब भगवान राम उन्हें बुलाएंगे तो वह जाएंगे। ऐसे में अगर वह नहीं आते हैं तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि भगवान राम भी नहीं चाहते कि वह अयोध्या आएं।

दरअसल, विश्व हिंदू परिषद की ओर से आलोक कुमार सपा प्रमुख अखिलेश यादव को निमंत्रण देने गए थे। इसके बाद अखिलेश यादव ने कहा कि मैं आलोक कुमार को नहीं जानता हूं। निमंत्रण वह देते हैं, जो एक-दूसरे को जानते हैं। मेरी कभी उनसे कोई मुलाकात नहीं हुई। जिसका परिचय एक-दूसरे का होता है, वही एक-दूसरे को व्यवहार देते हैं।

आलोक कुमार ने इस बारे में मीडिया को बताया कि विश्व हिन्दू परिषद ने समारोह के निमंत्रण के लिए सपा प्रमुख से संपर्क किया था, लेकिन अखिलेश ने कथित तौर पर कहा कि वह किसी अजनबी से ऐसा निमंत्रण स्वीकार नहीं करेंगे।

बता दें कि इस कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि होंगे। विहिप प्रमुख के मुताबिक इस भव्य समारोह में सभी महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को आमंत्रित करने का फैसला किया गया है। उनके अलावा अन्य अतिथियों की लिस्ट श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा नामित एक टीम बना रही है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास में विश्व हिन्दू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेताओं का वर्चस्व है।

2024 का अंतरिम बजट महिला केंद्रित हो सकता है, महिला किसानों के लिए सम्मान निधि 6000 से 12000 करने की तैयारी

नई दिल्ली। बजट में महिला किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि सालाना 6000 से बढ़कर 12000 रुपए हो सकती है। साथ ही आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए भी कैश ट्रांसफर स्कीम शुरू करने की योजना है। केंद्र सरकार 21 साल से अधिक उम्र की उन महिलाओं के लिए भी कैश ट्रांसफर स्कीम लाने पर विचार कर रही है, जिन्हें सरकार की किसी भी वेलफेयर स्कीम का लाभ नहीं मिल रहा है। मनरेगा में महिला वर्कर को प्राथमिकता दी जाएगी। अभी मनरेगा में महिलाओं की हिस्सेदारी 59.26 प्रतिशत है, जो 2020-21 में 53.19 प्रतिशत थी। महिला किसानों की राशि दोगुनी करने से सरकार पर 120 करोड़ रुपए अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इस योजना के तहत मोदी सरकार अब तक 15 किस्तों में किसानों के खाते में 2.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भेज चुकी है। भारत में करीब 26 करोड़ किसान हैं। देश में जिन किसानों के नाम जमीन है, उनमें सिर्फ 13त्न महिलाएं हैं।

महिला केंद्रित स्कीम का बजट 2.23 लाख करोड़

केंद्र सरकार की वेलफेयर स्कीम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मोदी सरकार जेंडर बजटिंग में साल-दर-साल 30त्न इजाफे के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके तहत मोदी सरकार ने धीरे-धीरे कुल जेंडर बजट राशि (मंत्रालयों में महिलाओं से संबंधित सभी योजनाओं के लिए राशि) को 2023-24 के बजट अनुमान (बीई) में ?2.23 लाख करोड़ रु. तक बढ़ा दिया है, जो 2013-14 में 1 लाख करोड़ से कम थी। यानी

केंद्र सरकार की वेलफेयर स्कीम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ रही है। मोदी सरकार जेंडर बजटिंग में साल-दर-साल 30 प्रतिशत इजाफे के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। इसके तहत मोदी सरकार ने धीरे-धीरे कुल जेंडर बजट राशि (मंत्रालयों में महिलाओं से संबंधित सभी योजनाओं के लिए राशि) को 2023-24 के बजट अनुमान (बीई) में 2.23 लाख करोड़ रु. तक बढ़ा दिया है,

10 साल में दोगुने से अधिक बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2006 में देश का जेंडर बजट 14,379 करोड़ रुपए था।

महिलाओं को टिकट देने में कंजूसी हो रही

10 साल में 16.8 लाख करोड़ रुपए सीधे खाते में भेजे गए, लेकिन महिलाओं को टिकट देने में कंजूसी हुई। बीते साल के आखिरी में 5 राज्यों में चुनाव हुए। इनमें भाजपा और कांग्रेस ने महिला वोटर्स के लिए तमाम योजनाएं लागू करने की बात कही। लेकिन इन दलों ने 10-15 प्रतिशत महिला प्रत्याशी ही उतारे।

2013 के बाद केंद्र सरकार ने 16.8 लाख करोड़ रुपए सीधे बैंक खाते में भेजे हैं। इनमें 3310-15 प्रतिशत राशि 2020-21 में भेजी गई है। करीब 319 योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खाते में यही राशि पहुंचाई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान करीब 70 करोड़ लोगों को डायरेक्ट कैश ट्रांसफर स्कीम का लाभ मिला है।

गणतंत्र दिवस की परेड देखने ऑनलाइन बुक होगी टिकट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कर्तव्यपथ पर चलने वाली परेड देखने के लिए ऑनलाइन टिकटें मिलेंगी। यह भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास को प्रदर्शित करती है। पूरे देश से लोग यहां परेड देखने आते हैं, जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, सैन्य प्रदर्शन और बहुत कुछ शामिल होता है। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिसकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है।गणतंत्र दिवस पर विजय चौक पर खास परेड का आयोजन होता है। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10 बजे विजय चौक से शुरू होगी और 5 किलोमीटर की दूरी तक, नेशनल स्टेडियम पर परेड का अंतिम पड़ाव होगा। अगर आप भी परेड देखना चाहते हैं तो टिकट बुक करवा सकते हैं। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिनकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है। हालांकि, टिकटों की बुकिंग आज यानी 10 जनवरी से शुरू हो गई। टिकट 25 जनवरी तक उपलब्ध रहेंगे लेकिन हर दिन टिकट सीमित संख्या में ही उपलब्ध होंगे। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाकर टिकिट बुक की जा सकती है। इसके लिए लॉगिन करें या नया अकाउंट बनाएं। फिर व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर आदि भरें। मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी से वेरिफाई करें। विकल्पों में से एक कार्यक्रम चुनें जिसमें एफडीआर गणतंत्र दिवस परेड, गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग द रिट्रीट शामिल हैं। सत्यापन उद्देश्य के लिए, सहभागी जानकारी प्रदान करें और एक मूल फोटो आईडी अपलोड करें। ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया पूरी करके टिकट डाउनलोड करें। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड के लिए ऑफलाइन टिकट भी उपलब्ध रहेंगे जो भारत सरकार पर्यटक कार्यालय और डीटीडीसी काउंटर व आईडीटीसी ट्रैवल काउंटर पर उपलब्ध होंगे। विभागीय बिक्री काउंटर रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक टिकट बेचेंगे, जबकि संसद भवन का रिसेप्शन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक टिकट बेचेगा।

चारमीनार एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, 5 हुए घायल

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इसमें पांच लोगों के घायल होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार को चारमीनार एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब सवा नौ बजे हुई। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन है जहाँ रेलगाड़ियाँ समाप्त होती हैं। हालांकि ट्रेन को समाप्ति से पहले रुकना चाहिए था, लेकिन ट्रेन आगे निकल गई। इस घटना में ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े करीब पांच लोगों को मामूली चोटें आईं। इनका इलाज रेलवे अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि हैदराबाद डेक्कन रेलवे स्टेशन ट्रेन का अंतिम गंतव्य है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, तो वह धीमी गति से चल रही थी और अंतिम बिंदु से आगे निकल गई, जिसके कारण तीन डिब्बे - एस 2, एस 3 और एस 6 - पटरी से उतर गए। इस पटरी से उतरे झटके के कारण छह यात्री घायल हो गए। इधर तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान किया जाए। ट्रेन मंगलवार शाम को चेन्नई से चलकर हैदराबाद पहुंची थी। अधिकारी ने बताया कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। एससीआर के एक अधिकारी ने बताया कि घायल यात्रियों का इलाज नजदीकी अस्पताल में किया जा रहा है।

मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की पहली बार एक साथ हुई पेशी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला केस में पहली बार मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की एक साथ पेशी हुई। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की आज न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म हो रही है। यही वजह है कि उन दोनों को पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया है। दरअसल, कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया फिलहाल जेल में हैं। उन्हें पिछले साल फरवरी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और बाद में उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कथित शराब घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला केस में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने और लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को रिश्वत के बदले लाभ हुआ। हालांकि, संजय सिंह ने इस आरोप का खंडन किया है जबकि आप ने आरोप लगाया है कि उसके नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

दम घुटने से हुई आरोपी महिला सीईओ के संतान की मौत

-चार वर्षीय पुत्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आरोपी मॉ को 6 दिन की पुलिस हिरासत

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। गोवा की हत्या आरोपी अधिकारी ने जिस चार वर्षीय बच्चे की हत्या की थी, उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट दम घुटने का कारण बताया गया है। मंगलवार को एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि बच्चे की मौत दम घुटने से हुई। जानकारी के अनुसार एक स्टार्ट-अप कंपनी की 39 वर्षीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सूचना सेठ ने अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर गोवा में हत्या कर दी और फिर उसके शव को बैग में भरकर टैक्सी से पड़ोसी राज्य कर्नाटक चली गई, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गोवा पुलिस ने आरोपी सूचना सेठ को सोमवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि उसे मंगलवार को गोवा लाया गया और मापुसा शहर की एक अदालत ने उसे छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के मकसद का अभी तक पता नहीं चला है। महिला छह जनवरी को अपने बेटे के साथ उत्तरी गोवा के कैंडोलिम में एक किराए के फ्लैट में आई थी और दो दिनों तक वहां रहने के बाद सोमवार को टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब आरोपी वहां से निकली, तो उनका चार वर्षीय बेटा उनके साथ नहीं दिखा। हिरियुर तालुक अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमार नाइक ने मीडिया को बताया कि उसकी मौत मुंह और नाक दबाने से दम घुटने से हुई होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए किसी कपड़े या तकिए का इस्तेमाल किया गया। नाइक ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि हाथों से गला घोंटकर बच्चे को मारा गया होगा।

कर्नाटक विधानसभा के सामने परिवार के 8 सदस्यों ने आत्मदाह का किया प्रयास, शरीर पर तेल छिड़का और...

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बुधवार को कर्नाटक विधानसभा के सामने एक ही परिवार के आठ सदस्यों ने आत्मदाह का प्रयास करने के बाद अपनी जान देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने यह हताशापूर्ण कदम उठाया क्योंकि वे बैंक द्वारा बकाया ऋण की वसूली के लिए उनके घर की नीलामी से परेशान थे। विधान सौधा (कर्नाटक विधानसभा) के बाहर महिलाओं और बच्चों समेत परिवार के सदस्यों ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क लिया। हालाँकि, पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से यह त्रासदी टल गई, जिससे इसमें शामिल परिवार के सदस्यों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी परिवार को पुलिस वाहनों में ले जाते दिख रहे हैं। अपनी परेशानी साझा करते हुए, परिवार ने कहा कि उन्होंने अदरक की खेती का व्यवसाय शुरू करने के लिए 2016 में बैंगलोर सिटी कोऑपरेटिव बैंक से 50 लाख रुपये का ऋण लिया था। हालाँकि, उनके उद्यम को काफी घाटा हुआ, जिससे उन्हें उधार ली गई राशि चुकाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर जेपी नड्डा का तंज,

70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, ओबीसी के मुद्दे पर भी घेरा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 'भारत न्याय यात्रा' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए।

नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारतीय राजनीति की परिभाषा भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले घोषणा पत्र छापो, वादे करो, सरकार में आओ, पांच साल मौज करो और फिर सरकार में आने के लिए लोगों को सपने दिखाओ, लोगों को लुभाओ और फिर सरकार में आओ... यही कल्चर था। आज मोदी जी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स सिखाई है, जो कहा वो किया और जो नहीं कहा वो भी किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं- महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चारों का उत्थान होगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी भी अपने किसी भी वादे को याद नहीं किया या उसके बारे में बात नहीं की। उनकी पार्टी की संस्कृति घोषणापत्र प्रकाशित करना, वादे करना, सत्ता में आना, 5 साल तक आनंद लेना है... और फिर इस चक्र को दोहराना है... वे नए वादे करते हैं, नए सपने दिखाते हैं, सत्ता में आते हैं और लोगों को फिर से धोखा देते हैं। लेकिन आज पीएम मोदी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स की संस्कृति सिखा दी है। हम जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। हम वह भी पूरा करते हैं जिसका हमने वादा नहीं किया है!

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूर्वोत्तर मुख्यधारा से जुड़ा है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा बार पूर्वोत्तर आने वाले प्रधानमंत्री हैं मोदी जी। पूर्वोत्तर की सारी समस्याओं का समाधान मोदी सरकार ने ही किया। उन्होंने कहा कि 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली...अन्याय की नींव रखने वाली कांग्रेस पार्टी, भारत को तोड़ने में कोई कसर न छोड़ने वाली कांग्रेस पार्टी... आज भारत जोड़ो यात्रा करने चली है।

अखिलेश यादव पर चढ़ गया स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत : प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बहाने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा और कहा कि उन पर स्वामी का भूत सवार हो गया है। उन्होंने इसके लिए विक्रम बेताल का उदाहरण दिया। दरअसल सनातन धर्म को लेकर अक्सर विवादित बयानबाजी करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर भारतीय जनता पार्टी पहले से हमलावर है और अब कांग्रेस नेता ने भी निशाना साधा है। गाजियाबाद में मीडिया से बात करते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य से डरते हैं और यह जानते हुए कि वह बेड़ा गर्ग करा देंगे फिर भी पता नहीं उनकी क्या मजबूरी है। स्वामी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी है। अखिलेश यादव के ऊपर स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत चढ़ गया है। प्रमोद कृष्णम ने यह भी कहा कि अखिलेश जानते हैं कि यदि स्वामी इसी तरह बयानबाजी करते रहे तो यूपी में भाजपा फिर आएगी। बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने 1990 में कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की घटना को सही ठहराया है। कासगंज में पत्रकारों से बात करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, अराजक तत्वों ने जो तोड़फोड़ की थी और तत्कालीन सरकार, मुलायम सिंह यादव ने संविधान, कानून की रक्षा के लिए गोली चलवाई थी वह सरकार का कर्तव्य था। सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था। दरअसल यह बात स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा नेता एसपी सिंह बघेल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बोल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब को दी 4 हजार करोड़ रुपए की सौगात

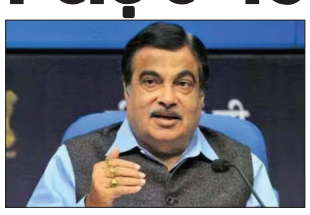

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब को 4 हजार करोड़ रुपए का तोहफा दिया। बता दें गडकरी जालंधर के आदमपुर एयरपोर्ट से पहुंचे। इस मौके मंच पर पंजाब बीजेपी प्रधान सुनील जाखड़ ने उनका स्वागत किया। होशियारपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने फगवाड़ा-होशियारपुर फोरलेन का उद्घाटन किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज पंजाब में 4 हजार करोड़ के नए प्रोजेक्ट की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि जब अटलजी प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने मुझे गांवों को जोड़ने के लिए कहा था। पंजाब राज्य का निर्माण होने बाद से 2014 से 2024 कई गुणा अच्छे रोड बीजेपी सरकार ने बनाकर दिखाए हैं। उन्होंने कहा पिछले 9 साल में पंजाब में एनएच की 2 हजार 540 लंबाई बढ़ी है। राज्य व देश का विकास करना है, तब इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा बनाना होगा और अगर इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा होगा, तब उद्योग आएंगे, जिससे रोजगार मिलेगा। गडकरी ने कहा कि अमृतसर एयरपोर्ट से रामदास तक 2024 में 4 लेन हाईवे का काम पूरा हो जाएगा, जिससे श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर तक का रास्ता आसान हो जाएगा। सड़कें अच्छी होंगी तब किसान भी खुशहाल होगा।

गडकरी ने ऐलान किया कि लुधियाना से बठिंडा तक ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा जिसकी लंबाई 75 कि.मी. होगी। इस प्रोजेक्ट पर 2 हजार करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। इस हाईवे से लुधियाना से बठिंडा की दूरी 45 मिनट में तय होगी। ये प्रोजेक्ट 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा इस हाईवे की कनैक्टीविटी हलवारा एयरपोर्ट तक भी होगी। एक्सप्रेस वे के साथ ग्रीन एक्सप्रेस वे भी बना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब सरकार से अपील कर कहा कि भूमि अधिग्रहण के काम में तेजी लाए। जमीन अधिग्रहण से सड़कें तेजी से बनेंगी। उन्होंने कहा कि हम किसानों को अन्नदाता से ऊर्जावान बनाएंगे। पराली जलाने की बजाय उससे इथेनॉल बनाया जाएगा। इथेनॉल से सभी वाहनों को चलाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरी कार भी इथोनॉल से चलती है। पेट्रोल की जगह इथेनॉल बनेगा। उन्होंने किसानों से पराली को न जलाने के अपील भी की है।

जिन प्रोजेक्ट बुधवार को उद्घाघटन किया गया। उनमें 596 करोड़ की लागत से लुधियाना में बना जीटी रोड और राष्ट्रीय राज्य मार्ग को जोड़ने वाले 4 लेन का लाडो व बाईपास शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गड़करी ने जालंधर, होशियारपुर सहित आसपास के इलाकों में 29 नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया है। जिसमें लुधियाना में जीटी रोड पर एनएच 5 को जोड़ने के लिए 4 लेन लाडोवाल बाईपास, लुधियाना शहर में 6 लेन फ्लाईओवर पर 2 आरओबी की उसारी, तववंडी भाई से फिरोजपुर सैक्शन के 4 लेन का निर्माण, करतारपुर, अमृतसर के गहरी मोडी गांव में आरओबी का निर्माण, जालंधर में कंगनीवाल गांव व तरनतारन बाईपास में आरओबी, जालंधर के दकोहा रेलवे क्रासिंग नजदीक अंडरपास का निर्माण, फगवाड़ा-होशियारपुर फोर लेन सड़क का नींव पत्थर, ऊना रोड होशियारपुर के ने बाईपास का नींव पत्थर, फिरोजपुर बाईसाप 4 लेन की निर्माण, अमृतसर, कपूरथला व लुधियाना में 9 सड़कों का प्रोजेक्ट, सुल्तानपुर लोधी-मक्खू सैक्शन का 4 लेन का निर्माण, फिरोजपुर के मधारे गांव में 2 लेन आरओबी का निर्माण शामिल हैं।

केजरीवाल भले जय श्रीराम बोलें, लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल भले ही जय श्रीराम के नारे लगाएं लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी है। जानकार बता रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की राजनीति कांग्रेस के वोटों में हिस्सेदारी से ही चलती है। इंडिया ब्लॉक के सीट बंटवारे में भी यही देखने को मिल रहा है। देश के जिन पांच राज्यों में कांग्रेस और आप गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं, वहां बीजेपी से मुकाबले से पहले दोनों अब तक आपस में ही लड़ते रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने 2013 में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ शानदार चुनावी जीत के साथ अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को चुनावों में तो हराया ही, उसी की मदद से दिल्ली में पहली सरकार भी बनाई, तभी तो आज भी दिल्ली कांग्रेस के नेता अरविंद केजरीवाल के साथ चुनावी गठबंधन के लिए खुले दिल से तैयार नहीं हो पाते। 2019 के आम चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन की खूब कोशिशें की, लेकिन तब फैसले का अधिकार फिर से शीला दीक्षित के हाथों में ही आ गया था।

लेकिन शीला दीक्षित अपने रुख पर कायम रहीं, और आम आदमी पार्टी के साथ चुनावी समझौता नहीं ही किया। नतीजे आये तो शीला दीक्षित का फैसला भी सही साबित हुआ। कांग्रेस ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर आप को तीसरे स्थान पर धकेल दिया था। दिल्ली की ही तरह पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को ही बेदखल कर सत्ता हासिल की है, फिर भी दिल्ली और पंजाब की परिस्थितियां अलग देखने को मिली थीं। देखा जाये तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली थी, लेकिन 2022 के चुनाव में पंजाब में तो ऐसा लगा जैसे कांग्रेस ने पूरी पूरी मदद कर दी हो।

ठिठुरती दिल्ली का तापमान हुआ 7.1 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ती ठंड और कोहरे के चलते दिल्ली ठिठुर रही है। वहां लोगों की दैनिक दिनचर्या पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। काम धंधे पर निकलने वाले को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत जितना ही है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सर्दी की वजह से लोगों के जनजीवन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है।कोहरे और तेज सर्दी के कारण लोग परेशान हैं। ट्रेनें, बसें लेट हो रही है। इस वजह से आमजन भी ऑफिस व दुकानों पर देरी से पहुंच रहे हैं। बाजार देरी से खुल रहे हैं और जल्दी बंद हो रहे हैं। खरीदारों को भी खरीद फरोख्त में काफी परेशानी हो रही है। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो मौसमी औसत से छह डिग्री कम है। शहर में बुधवार सुबह 7:30 बजे सफदरजंग में सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 8:30 बजे दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। भारतीय रेलवे के मुताबिक, कोहरे और शीत लहर के कारण कुल 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शहर भर के कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के आनंद विहार में पीएम2.5 का स्तर 307 पर बहुत खराब श्रेणी में और पीएम10 का 181 पर मध्यम श्रेणी में रहा। सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) 135 या मध्यम पर था। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा; 51 और 100 के बीच संतोषजनक; 101 और 200 के बीच मध्यम; 201 और 300 के बीच खराब; 301 और 400 के बीच बहुत खराब; तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल 3 पर भी पीएम2.5 का स्तर 292 रहा, जो खराब श्रेणी है, जबकि पीएम10 का स्तर 166 पर मध्यम श्रेणी में था। बता दें कि आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है- उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। इनमें दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम होती है।

लोस चुनाव: नीतीश की पीएम दावेदारी को लेकर जदयू हुआ इंडिया गठबंधन पर हावी

पटना (एजेंसी)। दिल्ली बैठक में नीतीश कुमार की भूमिका को लेकर तस्वीर साफ नहीं होने से जदयू इंडिया गठबंधन खासकर कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। कुछ दिन पहले तक जदयू के नेता इशारों में नीतीश कुमार को संयोजक बनने की मांग तेज कर रहे थे, लेकिन अब जेडीयू नेताओं के सुर बदल गए हैं और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इन नेताओं की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो एनडीए को 2024 में नहीं हराया जा सकता है।

दरअसल, जैसे ही जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नीतीश कुमार की ताजपोशी हुई है तब से ही जदयू इंडिया गठबंधन पर इस बात को लेकर दबाव और बढ़ा रहा है कि सीट बंटवारे में काफी देर हो चुकी है, जिसकी वजह से इंडिया गठबंधन की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। जदयू के इस आक्रामक रवैये को लेकर चर्चा बेहद तेज है कि आखिरकार जदयू की आक्रामकता के पीछे वजह क्या है? दरअसल सूत्र बताते हैं कि इसके पीछे भी जदयू की खास रणनीति है। जदयू के सबसे बड़े नेता नीतीश कुमार राजनीति में बेहद हार्ड बार्गेनर माने जाते हैं। जब तक सीट बंटवारा नहीं हो जाता है तब तक वो इस तरह का माहौल बनाना चाहते हैं कि जदयू अपनी सीटिंग सीट से कोई समझौता नहीं करने वाला है। फिलहाल जिस तरह से जदयू नेता आक्रामक होकर सीट को लेकर बयान दे रहे हैं इससे ये तस्वीर साफ-साफ दिख भी रही है।

नीतीश कुमार की भूमिका भले ही इंडिया गठबंधन में तय नहीं किया गया हो, लेकिन नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद इंडिया गठबंधन को ये मैसेज देने की कोशिश की जा रही है कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं और इनकी भूमिका इंडिया गठबंधन में किसी भी नेता से ज्यादा बड़ी है। नीतीश कुमार की पार्टी के कड़े तेवर ने बिहार में भी महागठबंधन के सहयोगियों को ये साफ-साफ संदेश देने की कोशिश की है कि बिहार में भले ही जदयू तीसरे नंबर की पार्टी है, लेकिन बावजूद इसके बिहार की राजनीति खासकर महागठबंधन की राजनीति इसी के इर्द गिर्द घूमेगी जिसे नीतीश कुमार कार्यान्वित करेंगें। यही नहीं बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी भी फिलहाल नीतीश कुमार के पास ही रहेगी। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के आक्रामक तेवर की वजह से उनकी पार्टी के नेताओं में भी आक्रामकता आई है। बीते दिनों पार्टी में टूट का जो खतरा बताया जा रहा था, न सिर्फ उन अटकलों पर विराम लगा है, बल्कि पार्टी एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में जाने की तैयारी में जुट गई है। नीतीश कुमार की पार्टी के बयानों से ख़ासकर बड़े नेताओं के बयान से इस बात की सुगबुगाहट भी तेज है कि क्या भाजपा के साथ भी कोई संभावना है? इसे लेकर ऐसी अटकलों को जदयू के नेता खारिज कर रहे हैं, लेकिन सियासी हलके में जदयू के तेवर ने महागठबंधन की परेशानी फिलहाल तो बढ़ा ही दी है।

भारत आना चाहते थे मुइज्जू, लेकिन इंडिया आउट ने रुख बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भले ही भारत की यात्रा पर आना चाहते थे, लेकिन उनके इंडिया आउट के रुख ने मंसूबे साफ कर दिए। अब वह लाख चाहें लेकिन भारत यात्रा के प्रस्ताव पर शायद ध्यान नहीं दिया जाएगा। बता दें कि मालदीव के प्रशासन ने दिसंबर 2023 में उनकी भारत यात्रा के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। सूत्रों के मुताबिक मालदीव ने दिसंबर 2023 में भारत आने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू के 17 नवंबर के शपथ ग्रहण समारोह से पहले तारीखों का प्रस्ताव दिया था। मालदीव सरकार अभी भी भारतीय पक्ष द्वारा तारीख की पुष्टि करने का इंतजार कर रही है। वर्तमान में मुइज्जू चीन की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं और इससे पहले उन्होंने भारत की यात्रा करने के बजाय तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की, जैसा कि पिछले कई राष्ट्रपतियों द्वारा कार्यभार संभालने पर किया गया है। जानकारी के अनुसार मालदीव की ओर से एक प्रस्ताव था, और अगर भारत सहमत होता, तो भी वह नई दिल्ली को राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक विदेश यात्रा नहीं बनाता क्योंकि उन्होंने पहले गंतव्य के रूप में तुर्की को चुना था और राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 26 नवंबर को वहां थे। मुइज्जू की तुर्की यात्रा के बाद 30 नवंबर, 2023 को संयुक्त अरब अमीरात में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी 28 में उनकी भागीदारी हुई। चीन समर्थक और भारत विरोधी रुख की बात आती है तो मुइज्जू प्रशासन स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति और झुकाव पर एक संदेश भेजने की कोशिश कर रहा है। इसकी शुरुआत उनके चुनाव अभियान से हुई, जो इंडिया आउट चुनावी मुद्दे पर लड़ा गया। बड़े अक्षरों में इंडिया आउट लिखी लाल टी-शर्ट पहने राष्ट्रपति मुइज्जू के दृश्य अभी भी हर किसी की आंखों के सामने ताजा हैं। उन्होंने अपने देश से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की, जो पूरी तरह से चिकित्सा और मानवीय प्रयासों में सहायता करने में शामिल थे।

राम मंदिर से गदगद अमेरिकी हिंदुओं ने ह्यूस्टन में निकाली रैली

ह्यूस्टन। अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने रविवार को ह्यूस्टन में एक विशाल कार रैली निकाली। यह रैली भजन और 'जय श्री राम के नारे लगाते हुए रास्ते में 11 मंदिरों में भी रुकी। विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने मंदिर के पदाधिकारियों को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया। भारत और अमेरिका के झंडे और राम मंदिर की छवि वाले भगवा बैनर लिए 500 से अधिक लोगों ने 216 कारों की लगभग पांच किलोमीटर लंबी कतार के साथ रैली निकाली। इस दौरान अपनी मोटरसाइकिल पर आठ पुलिसकर्मी भी रैली के साथ-साथ मौजूद रहे। ह्यूस्टन के समाज सेवी जुगल मालानी ने श्री मीनाक्षी मंदिर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और दोपहर बाद रिचमंड के श्री शरद अंबा मंदिर पहुंचने के बाद इसका समापन हुआ। ह्यूस्टन के व्यस्त मार्गों से होते हुये रैली ने लगभग 160 किलोमीटर की दूरी तय की और छह घंटे की रैली के दौरान करीब 11 मंदिरों पर भी रुकी। मंदिरों में लगभग दो हजार श्रद्धालु इक्ट्ठा हुए, जिनमें युवा और बुजुर्ग दोनों शामिल रहे। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम दिखीं। मंदिरों में भजनों के साथ जुलूस का स्वागत किया गया। वीएचपीए ने कहा, ''विभिन्न मंदिरों में इक्ट्ठा हुए 2,500 से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा कार रैली प्रतिभागियों के प्रति दिखाई गई भक्ति और प्रेम अभिभूत करने वाला था। भगवान श्री राम ह्यूस्टन वासियों के हृदय में निवास करते हैं।

हाफिज सईद को लेकर बड़ा दावा पाकिस्तान में काट रहा है सजा

वाशिंगटन। मुंबई आतंकवादी हमले का सरगना और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा का प्रमुख हाफिज सईद पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और आतंकवाद के वित्तपोषण के सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने अद्यतन सूचना में यह जानकारी दी है।बीते माह भारत ने पाकिस्तान से संयुक्त राष्ट्र द्वारा पाबंद आतंकवादी सईद को प्रत्यर्पित करने के लिए कहा था, जो आतंकवाद के विभिन्न मामलों में भारत में वांछित है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति की संशोधित सूचना में कहा गया है कि सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति द्वारा दिसंबर 2008 में वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया सईद 12 फरवरी 2020 से पाकिस्तान सरकार की हिरासत में है और आतंकवाद के वित्तपोषण के सात मामलों में दोषी करार दिए जाने के बाद 78 वर्ष के कारावास की सजा काट रहा है।

2026 तक के लिए टल गया नासा का यह महत्वपूर्ण मिशन

वाशिंगटन ।अमेरिका की चांद पर मानव को उतारने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है।अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फिर चांद पर इंसानों को भेजने की कोशिश की तैयारी काफी जोर-शोर से कर रहा था।अब खुद नासा ने ऐलान किया है कि वह फिलहाल इस मिशन को टाल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार नासा ने चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों की लैंडिंग को कम से कम 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया है।नासा इसी साल के अंत तक चार अंतरिक्ष यात्रियों को चांद पर भेजने वाला था। इसके लिए वह तैयारी में जुटा था।नासा अधिकारियों ने कहा कि आर्टेमिस तीसरे मिशन, अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार चांद पर मनुष्यों को उतारने के महत्वपूर्ण मील के पत्थर तक पहुंचने की योजना बनाई गई। लेकिन यह 2026 तक के लिए स्थगित कर दी गई है। देरी के प्राथमिक कारणों में स्पेसएक्स का स्टारशिप, विशाल रॉकेट और अंतरिक्ष यान सिस्टम विकसित करने का दृष्टिकोण शामिल है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की कक्षा से दक्षिणी ध्रुव तक ले जाने की उम्मीद है। 2023 में दो स्टारशिप परीक्षण उड़ानें विस्फोटों में समाप्त हुईं। नासा के अधिकारियों ने कहा कि वे चांद की सतह पर रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहने जाने वाले स्पेससूट की इंजीनियरिंग में भी देरी की उम्मीद कर रहे हैं। स्पेसएक्स के स्टारशिप विकास और स्पेससूट दोनों इसतरह के कारक थे जिन्हें नासा के महानिरीक्षक सहित सरकारी निगरानीकर्ताओं ने संभावित कारकों के रूप में बताया है, जो आर्टेमिस तीसरे मिशन के लिए देरी का कारण बन सकते हैं।

इजरायली अधिकारियों के साथ ब्लिंकन ने की गाजा संघर्ष पर चर्चा

जेरूसलम ।अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने तेल अवीव में इजरायली अधिकारियों के साथ गाजा संघर्ष पर चर्चा की है। उन्होंने इजरायल-हमास के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा करते हुए इजरायली पक्ष से गाजा में नागरिकों की रक्षा करने का आग्रह किया। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में इज़राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन की यह इज़राइल की चौथी यात्रा है। फिलिस्तीनी क्षेत्र में मरने वालों की संख्या 23,000 से अधिक होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय समुदाय गाजा में इजरायली हमलों के बारे में चिंतित है। इस गंभीर मानवीय संकट के बीच लगभग 20 लाख लोग बेघर होकर अन्य जगह विस्थापित हुए हैं। ब्लिंकन के कार्यालय की ओर जारी एक बयान के अनुसार इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपनी बैठक में ब्लिंकन ने आगे नागरिक क्षति से बचने और गाजा में नागरिक बुनियादी ढांचे की रक्षा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सात अक्टूबर जैसे हमले रोकने के इजरायल के अधिकार को भी दोहराया है।

सैन्य बस पर हुए आतंकवादी हमले में 9 की मौत

दमिश्क ।सीरिया में सैनिकों को ले जा रही एक सैन्य बस हुए आतंकी हमले में 9 लोगों की मौत होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार यह बस मंगलवार को होम्स प्रांत के प्राचीन शहर पलमायरा के पास रेगिस्तान में एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने हमले के लिए आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराते हुए स्पष्ट किया कि मरने वालों में आठ सैनिक और एक नागरिक शामिल है। हालांकि पहले की रिपोर्ट में ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा था कि बस को इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों ने निशाना बनाया है। इसमें कहा गया है कि होम्स प्रांत के सुदूर ग्रामीण इलाके में विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र में टी-3 तेल स्टेशन के पास हमले में 14 सैनिक मारे गए और 19 अन्य घायल हो गए, घायलों को पलमायरा के तदमूर अस्पताल ले जाया गया। ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि सीरिया के रेगिस्तान में सरकारी नियंत्रण वाले क्षेत्रों में 2024 की शुरुआत से आईएस के हमलों में वृद्धि देखी गई है। इससे पहले मंगलवार को खबर आई थी कि उत्तरी प्रांत रक्का के अथराया रेगिस्तान में आईएस के हमले में एक सीरियाई सैन्य अधिकारी और एक सरकार समर्थक लड़ाके की मौत हो गई। स्थानीय रेडियो चैनल शाम एफएम के अनुसार, 5 जनवरी को होम्स के पूर्व रेगिस्तान में आईएस के एक अन्य हमले में दो सीरियाई सैन्यकर्मी मारे गए।

इक्वाडोर के साथ उत्तरी सीमा पर पेरू ने आपातकाल लगाया

लीमा (ईएमएस)। पेरू सरकार ने पड़ोसी देश में आपराधिक गिरोहों द्वारा हिंसा को लेकर मंगलवार को इक्वाडोर के साथ अपनी उत्तरी सीमा पर आपातकाल लगा दिया है। पीएम अल्बर्टो ओटारोला ने कहा कि आपातकालीन घोषणा में पुलिस बलों का समर्थन करने के लिए अनिर्दिष्ट संख्या में सेना के जवानों की तैनाती शामिल होगी। इससे पहले दिन में, नकाबपोश बंदूकधारियों का एक समूह दक्षिणी इक्वाडोर के शहर गुआयाकिल में एक प्रसारण के दौरान एक टीवी स्टूडियो में घुस गया और उसके कर्मचारियों को बंधक बना लिया। वहीं इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने घोषणा की कि उनका देश आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है और 22 गिरोहों को आतंकवादी संगठनों के रूप में वर्गीकृत करने का एक आदेश जारी किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, मैंने आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की घोषणा करने वाले एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए और निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों को आतंकवादी संगठनों और जुझारू गैर-राज्य तत्वों के रूप में पहचाना गया है। यही वजह है ?कि आपातकाल लगाना जरूरी हो गया।

अमेरिका में बारिश बारिश के कारण बाढ़ के पानी में फंसी एक कार।

दिवंगत पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की मौत की सजा बरकरार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने दिवंगत पूर्व सैन्य शासक जनरल परवेज मुशर्रफ को राजद्रोह मामले में 2019 में एक विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के सूत्रधार और पाकिस्तान के अंतिम सैन्य शासक मुशर्रफ का लंबी बीमारी के बाद पिछले साल पांच फरवरी को निधन हो गया। वह अपने देश में मुकदमों से बचने के लिए 2016 से स्व-निर्वासन में संयुक्त अरब अमीरात में रह रहे थे। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के कार्यकाल के दौरान नवंबर 2007 में आपातकाल लागू करने के 'असंवैधानिक' निर्णय के लिए मुशर्रफ के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद एक विशेष अदालत ने 17 दिसंबर, 2019 को पूर्व सैन्य शासक को मौत की सजा सुनाई। शीर्ष अदालत ने पूर्व शासक द्वारा मौत की सजा के खिलाफ दायर अपील पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति की अपील को खारिज कर कहा, 'मुशर्रफ के उत्तराधिकारी कई नोटिस पर भी सुनवाई पर नहीं आए।' मुशर्रफ के वकील सलमान सफदर ने कहा कि अदालत द्वारा अपील पर सुनवाई करने का फैसला करने के बाद उन्होंने मुशर्रफ के परिवार से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन परिवार ने कभी उन्हें जवाब नहीं दिया। अदालत ने लाहौर उच्च न्यायालय के फैसले को भी ''अमान्य और शून्य'' घोषित कर दिया, जिसने विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को निलंबित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय का फैसला कानून के खिलाफ था। शीर्ष अदालत ने 29 नवंबर, 2023 को पिछली सुनवाई में कहा था कि 12 अक्टूबर, 1999 को मुशर्रफ द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ को वैध ठहराने वाले न्यायाधीशों सहित उन सभी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

भारत के लिए क्यों इतना अहम है अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव?

वाशिंगटन (एजेंसी)। वर्ष 2024 चुनावों के लिहाज से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला वर्ष होगा। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका सहित 50 देशों के दो अरब से अधिक मतदाता अपने मतदान करेंगे। सभी की निगाहें संयुक्त राज्य अमेरिका पर होंगी, जहां एक पूर्व राष्ट्रपति गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना करने के बावजूद फिर से चुनाव लड़ेंगे। एक ऐसा स्थान है जहां निवर्तमान राष्ट्रपति अपने पूर्ववर्ती को नाजी कहते हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने अपने उत्तराधिकारी पर पिछले चुनाव में हेराफेरी का आरोप लगाया। वर्तमान प्रतिष्ठान पूर्व राष्ट्रपति पर कई आपराधिक मामले दर्ज कर रहा है। विपक्ष ने सरकार पर लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति को मतदान से दूर रखने के लिए कानून की हथियार बनाने का आरोप लगाया है और राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की तैयारी करके जवाबी कार्रवाई कर रही है। शीर्ष अदालत हरकत में आ गई है, लेकिन उसका फैसला जो भी हो, ध्रुवीकृत समाज का एक बड़ा वर्ग इसे नाजायज और राजनीति से प्रेरित भी बता रहा है।

हम तीसरी दुनिया में बनाना रिपब्लिक की नहीं, बल्कि अमेरिका की बात कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश नीति अभिजात वर्ग खुद को लोकतंत्र के चैंपियन के रूप में देखता है। यह नियमित रूप से न केवल अन्य देशों के व्यापक राजनीतिक रुझान बल्कि उनके भीतर सूक्ष्म रुझानों पर भी निर्णय पारित करता है। वाशिंगटन लोकतांत्रिक मानदंडों के विरुद्ध कथित उल्लंघनों के लिए विदेशी सरकारों को दंडित करता है। लेकिन

अमेरिकी लोकतंत्र का क्या? दुनिया भर के राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिए अमेरिकी आलोचना का शिकार हो रहे हैं। अमेरिका हालाँकि, जो मायने रखता है वह अमेरिका की आंतरिक गतिशीलता के परिणाम हैं। आख़िरकार, इसके लोकतंत्र की गुणवत्ता के बावजूद, इसकी राजनीति द्वारा चुने गए विकल्प पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं।

21वीं सदी में अमेरिकी लोकतंत्र की कई संरचनात्मक समस्याएं खुले में हैं, जिसकी शुरुआत 2000 में पहले चुनाव से हुई जब फ्लोरिडा में वोटों की गिनती पर विवाद को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट को कदम उठाना पड़ा। वे समस्याएँ और तीव्र हो गई हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने घोषणा की है कि अमेरिकी लोकतंत्र और उसका संविधान खतरे में है। टाइम्स ने ट्रम्प को कार्यालय के लिए पूरी तरह से अयोग्य घोषित किया और निंदा की कि वह अमेरिका को भाग्यशाली विकल्प के साथ प्रस्तुत करते हैंय संयुक्त राज्य अमेरिका की निरंतरता के बीच एक राष्ट्र के रूप में जो %खुद और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए स्वतंत्रता का आशीर्वाद% और एक व्यक्ति के लिए समर्पित है। जिसने गर्व से कानून और संविधान की सुरक्षा और आदर्शों के प्रति खुला तिरस्कार दिखाया है।

जैसे-जैसे अमेरिका के साथ संबंधों में भारत की हिस्सेदारी बढ़ रही है, दिल्ली को भी अमेरिकी समाज के अध्ययन में निवेश करना चाहिए। शुरुआत के लिए आगामी राष्ट्रपति चुनावों से बेहतर कोई समय नहीं है। अमेरिकी चुनावों का पालन करने के लिए यहां चार दिशानिर्देश दिए गए हैं। भारतीयों के पास चुनाव में वोट नहीं होता है, इसलिए उम्मीदवारों के बीच पक्ष लेने के प्रलोभन में न पड़ें। और याद रखें भारतीय अमेरिकी अमेरिकी हैं। दूसरा, अमेरिका के आंतरिक तर्कों को चुटकी भर नमक के साथ लें। अमेरिकी राजनीति की विक्षिप्त शैली में हर प्रस्ताव को उसके चरम पर ले जाया जाता है। लेकिन देश में मौजूदा ध्रुवीकरण के बावजूद केंद्र काफी मजबूत है। तीसरा, ट्रम्प की वापसी के बारे में सभी निराशा के बावजूद यह मत भूलिए कि अमेरिकी राजनीति में परिवर्तन और निरंतरता दोनों हैं। यदि ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में वाशिंगटन को चीन और वैश्वीकरण पर पारंपरिक ज्ञान पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया, तो बिडेन उन नीतियों पर कायम रहे। यह समझना कि निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बाहरी पर्यवेक्षकों के लिए प्रमुख चुनौती है, जो 2016 और 2020 के चुनावों का आकलन करने में पूरी तरह से गलत थे।

सिंगापुर में भारतीय मूल के सैन्यकर्मी को दस साल की जेल और जुर्माना

सिंगापुर (एजेंसी)। एक भारतीय मूल के सैन्यकर्मी पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के प्रयास के आरोप लगे है। मामले की जांच होने पर आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। सिंगापुर दैनिक ने मंत्रालय के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा, एसएएफ अदालती सुनवाई के समापन पर आगे की कार्रवाई शुरू करेगा, जिसमें उसे सेवा से बर्खास्त करना भी शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि एसएएफ अपने सैनिकों को अनुशासन और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों पर रखती है और अपराध करने वालों से कानून के अनुसार निपटा जाएगा। 16 साल से कम उम्र की नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने पर सुब्रमण्यम को 10 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सुब्रमण्यम थबुरन रंगासामी की 1 फरवरी को होने वाली सजा के दौरान दो अन्य आरोपों पर भी विचार किया जाएगा। वहीं, पीड़िता की पहचान पर रोक लगाने का आदेश है, जो अब 17 साल की है। जब वह 15 साल की थी तो सुब्रमण्यम ने पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाने की कोशिश की थी। कोर्ट में बताया गया कि दोनों के बीच व्हाटस एप पर बात होने लगी, लेकिन कोई भी मैसेज यौन प्रकृति के नहीं थे। हालांकि, घटना के दो दिन बाद 8 दिसंबर, 2021 को पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई क्योंकि उसे लगा कि सुब्रमण्यम ने उसका फायदा उठाया है। अभियोजक ने कहा कि आरोपी को कभी भी पीड़िता की उम्र को लेकर गुमराह नहीं किया गया और उसने पीड़िता पर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव नहीं डाला। प्रथम वारंट अधिकारी सुब्रमण्यम को उनकी गिरफ्तारी के बाद सभी कार्यों से निलंबित कर दिया गया है।

उप लोक अभियोजक सुनील नायर ने कहा कि घटना 6 दिसंबर, 2021 को स्कूल की छुट्टियों के दौरान हुई। पीड़िता की सुबह 11 बजे अपने स्कूल काउंसलर के साथ ऑनलाइन मीटिंग होनी थी, लेकिन वह प्राइवेसी को देखते हुए घर की बजाय एक बहुमंजिला कारपार्क में चली गई।

कार पार्क की चौथी मंजिल पर आरोपी सुब्रमण्यम अपनी मोटरसाइकिल पर काम के लिए निकलने का इंतजार कर रहा था। हालांकि, इस बीच पीड़िता सीढ़ियों से गिर जाती है, और जोर से चिल्लाने लगती है। आवाज सुनकर सुब्रमण्यम सीढ़ियों के पास पहुंचता है और पीड़िता की मदद करता है। इसके बाद दोनों कारपार्क की चौथी मंजिल की सीढ़ी पर बैठ जाते है और बाते करने लगते है। करीब एक घंटे बाद सुब्रमण्यम और लड़की यौन संबंध बनाने की कोशिश करते है, लेकिन विफल हो जाते है। दोनों के बीच फोन नंबर एक्सचेंज होता है और बातचीत बढ़ जाती है।

जर्मनी में सड़क पर उतरे किसान, बोले सब्सिडी में कटौती बर्दाश्त नहीं करेंगे

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी में भारत जैसा किसान आंदोलन शुरु हो गया है। यहां के किसान सब्सिडी में की गई कटौती से नाराज है। अपनी मांगे मनमाने के लिए

किसान ट्रैक्टरों के साथ सड़कों पर उतर आए हैं। राजधानी बर्लिन समेत देश के दूसरे बड़े शहरों में ट्रैक्टर की लंबी लंबी कतारें नजर आ रही हैं। किसानों ने सड़कों पर जाम लगा दिया है। जिससे आवागमन बाधित हो रही है। किसानों के विरोध प्रदर्शन का असर जर्मनी समेत यूरोप के कई देशों पर पड़ रहा है।

दरअसल देश के किसान सरकार की तरफ से दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती से नाराज हैं, जिसके चलते वो सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान किसानों ने सड़कों पर खाद फैला दी है और ट्रैक्टरों और लॉरियों से सड़कों को जाम कर दिया है। विरोध के कारण फ्रांस, पोलैंड और चेक गणराज्य के साथ जर्मनी की सीमाओं पर भी भारी दिक्कत हो रही है। दूसरे देशों के सा आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

दरअसल पिछले साल दिसंबर में जर्मनी की सरकार ने किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी में कटौती करने का फैसला किया। इस दौरान सरकार ने खेती के लिए इस्तेमाल हो रहे डीजल में टैक्स रिफंड के साथ ही टैक्टर पर दी जारी छूट को खत्म कर दिया। सरकार का मानना है कि इस कटौती से सरकारी पैसे की बचत होगी। इस कटौती से सरकार का मानना है कि वो करीब 90 करोड़ यूरो बचा लेगी। सरकार के इस फैसले से किसानों आक्रोशित हो गए। उन्होंने दिसंबर में ही प्रदर्शन करने का फैसला किया और सड़कों पर उतर आए. तब से लेकर अभी तक आंदोलन जारी है।कड़कड़ाती सर्दी के बीच आंदोलन सड़कों पर डटे हुए हैं। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। किसानों ने साफ कर दिया है कि अगर सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो उनका आंदोलन और भी तेज हो जाएगा। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार को चेतावनी भी दी, और कहा कि जल्द से जल्द उनकी मांगों को पूरा किया जाए।

चौथी बार प्रधानमंत्री पद की शेख हसीना ने ली शपथ

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में 7 जनवरी 2024 को हुए आम चुनावों में सत्तारूढ़ अवामी लीग (एएल) ने शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद निवर्तमान प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगातार चौथे कार्यकाल के लिए बुधवार को पद की शपथ ली।

रिपोर्ट के अनुसार, संसद अध्यक्ष शिरीन शर्मिन चौधरी ने शेख हसीना और अन्य नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। इसके अलावा समारोह में निर्वाचित निर्दलीय सांसदों और नवनिर्वाचित विधायकों को भी शपथ दिलाई गई।

चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित गजट अधिसूचना के अनुसार, सत्तारूढ़ एएल ने रविवार (7 जनवरी) को हुए चुनावों में 298 में से 223 सीटें जीतीं हैं। 2009 से पार्टी की लगातार यह चौथी जीत है। इसके पहले पार्टी ने 1996 से लेकर 2001 तक सरकार चलाई थी। यानी अब देश में हसीना की पार्टी एएल की पांचवीं बार सरकार बनी है।

शेख हसीना आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता बन गई हैं। परिणाम से पता चला कि स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 61 सीटें जीतीं, जबकि जातीय पार्टी को 11 सीटें मिलीं और अन्य एएल सहयोगियों को दो सीटें मिलीं। इसके अलावा एक अन्य राजनीतिक समूह बांग्लादेश कल्याण पार्टी ने एक सीट पर जीत दर्ज की।

पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 225 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की। कैबिनेट डिवीजन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एएल गुरुवार को अपनी नई कैबिनेट बनाएगी।

रविवार को बड़े पैमाने पर हिंसा और विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं और समर्थकों की गिरफ्तारी के बीच चुनाव हुए। एएल द्वारा चुनावों की अध्यक्षता के लिए एक स्वतंत्र कार्यवाहक सरकार की उनकी मांगों को खारिज करने के बाद बीएनपी ने चुनावों का बहिष्कार किया। विपक्षी दल ने लोगों से वोट न डालने का भी आह्वान किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) के अनुसार, 28 अक्टूबर 2023 को एक विपक्षी रैली के दौरान हिंसा हो गई थी। हिंसा में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 5,500 से अधिक घायल हुए थे। इस मामले के संबंध में 10 हजार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था।

किम जोंग उन ने बताया अमेरिका उनका दुश्मन नंबर 1 नहीं कोई और

सियोल ।नॉर्थ कोरिया के तनाशाह की नजर में अमेरिका कट्टर दुश्मन नहीं है। किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख दुश्मन बताया है। इतना ही नहीं, किम जोंग उन ने उकसाने पर साउथ कोरिया को नष्ट करने की धमकी भी दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, किम जोंग उन अप्रैल में दक्षिण कोरिया के संसदीय चुनावों और नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर हथियारों के परीक्षण में तेजी ला सकते हैं। उत्तर कोरिया की मीडिया ने कहा कि किम जोंग उन ने इस सप्ताह उत्तर कोरिया में आयुध कारखानों के निरीक्षण दौरों पर यह बयान दिया। किम ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ अपने संबंधों में उत्तर कोरिया की प्राथमिकता सबसे पहले आत्मरक्षा और परमाणु युद्ध रोकने के लिए सैन्य क्षमताओं को बढ़ाना है। किम जोंग उन ने कहा, 'अगर उत्तर कोरिया के खिलाफ दक्षिण कोरिया अपने सैन्य बल का इस्तेमाल करने और उसकी संप्रभुता को खतरे में डालने की हिम्मत करता है, तब हमें अपने सभी साधनों और शक्तियों को जुटाकर द.कोरिया को नष्ट करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। बता दें कि किम जोंग ने उस वक्त में साउथ कोरिया के खिलाफ बयान दिया है, जब बीते सोमवार को उन्होंने अपना 40वां बर्थडे मनाया। तोपखाने से समुद्र में बमबारी के बीच किम ने नया साल मनाया था और अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने की प्रतिबद्धता जताई थी। माना जाता है कि किम ने 2011 के अंत में सत्ता संभालने के बाद से अपने पूर्ववर्तियों के समान पूर्ण नेतृत्व स्थापित किया है। रीता ईश्वर नाम की इस म?हिला का जन्म 16 मार्च, 1981 को हुआ था। रीता पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला सांसद भी हैं और साल 2013 से 2018 तक पाकिस्तान की नेशनल असेंबली की सदस्य रहीं। रीता मुस्लिम लीग (एफ) पार्टी से ताल्लुकात रखती हैं और उनका पाकिस्तान में अच्छा दबदबा भी है।

पाकिस्तान में बीते साल खूब हुआ खून-खराबा, 789 आतंकी हमलें

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में बुधवार को एक टोल प्लाजा पर हुए आतंकवादी हमले में तीन पुलिसकर्मियों सहित करीब चार लोग मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अज्ञात आतंकवादियों ने बुधवार सुबह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में लाची टोल प्लाजा पर हमला किया। हमले में तीन पुलिसकर्मियों सहित चार लोगों की मौत हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर हमले में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया।

प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरशद हुसैन ने हमले की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पुलिस की सेवाओं और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ अतुलनीय संघर्ष में पूरा देश पुलिस के साथ है।

बता दें कि पिछले एक साल में पाकिस्तान में आतंकी हमलों में बढ़ोत्तरी देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिबंधित आतंकवादी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा नवंबर 2022 में सरकार के साथ अपना युद्धविराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान में खासकर खैबर पख्तुनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है।

एक स्टडीज द्वारा जारी वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2023 में 789 आतंकी हमलों और आतंकवाद विरोधी अभियानों में 1,524 हिंसा से संबंधित मौतें और 1,463 घायल हुए, जो छह साल का रिकॉर्ड उच्चतम स्तर है। केपी और बलूचिस्तान प्रांत हिंसा के प्राथमिक केंद्र रहे हैं जहां 90 प्रतिशत से अधिक मौतें हुईं और 84 प्रतिशत हमले हुए। इनमें आतंकवाद और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन की घटनाएं भी शामिल हैं।

संपादकीय

ढाका में फिर शेख हसीना

बांग्लादेश में 7 जनवरी को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को मिली भारी विजय के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी समेत एक दर्जन से भी अधिक राजनीतिक दलों के चुनाव बहिष्कार और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए बांग्लादेशी अधिकारियों के विरुद्ध विशेष वीजा नीति जैसे दवाबकारी अमेरिकी कदमों के बावजूद बांग्लादेश के मतदाताओं ने 12वीं संसद के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है और अपने भविष्य की डोर अवामी लीग को सौंप दी है। 300 सदस्यों वाली जातीय संसद में 222 सीटें जीतने वाली अवामी लीग की मुखिया शेख हसीना पांचवीं बार अपने देश की बागडोर संभालेंगी और यह एक ऐसी उपलब्धि है, जिससे किसी भी लोकतांत्रिक देश के नेता को रश्क होगा। भारत हमेशा से एक स्थिर और समर्थ बांग्लादेश का हिमायती रहा है, ऐसे में स्वाभाविक ही था कि चुनाव नतीजे आने के फौरन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेख हसीना व बांग्लादेश के अवाम को अपनी मुबारकबाद देते हुए दोनों देशों के रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाने का इरादा जताया। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री पहले ही सबसे करीबी पड़ोसी भारत के प्रति आभार जता चुकी थीं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि शेख हसीना को मिली इस लगातार चौथी जीत में बांग्लादेश की सुधरती आर्थिक स्थिति का बड़ा योगदान है। इसके कारण ही मानव विकास की विभिन्न कसौटियों पर इसका प्रदर्शन सुधरा है। जो बांग्लादेश एक समय विश्व के सबसे पिछड़े देशों में शुमार था, पिछले दो दशकों में उसने शानदार तरक्की की है और इसका अंदाजा सिर्फ इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि जीडीपी के आधार पर वह आज दुनिया की 35वीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। जाहिर है, इन दो दशक में से डेढ़ दशक सत्ता शेख हसीना के हाथों में रही। हसीना जानती हैं कि यदि लोगों की माली हालत सुधरती रहे, तो उनका भरोसा जीतना आसान हो जाता है। इसीलिए उन्होंने जीत के बाद सोमवार को दोहराया कि अगले पांच वर्षों में उनकी पहली प्राथमिकता देश की आर्थिक तरक्की में और तेजी लाने की होगी। मगर इस बड़ी जीत के बावजूद वह इस बात को नकार नहीं सकतीं कि बांग्लादेश में विपक्ष को भरोसे में लेने में वह बुरी तरह नाकाम रही हैं। निस्संदेह, इसके लिए बीएनपी और दूसरी सियासी जमातों का अड़ियल रवैया भी जिम्मेदार है। मगर बांग्लादेश इस तथ्य को झुठला नहीं सकता कि वहां मतदान प्रतिशत आज भी बहुत कम लगभग 40 फीसदी है। ऐसे में, उसे एक लोकतंत्र के तौर पर सम्मान के लिए चीन व रूस जैसे देशों के प्रमाणपत्र की नहीं, बल्कि भारत, अमेरिका, ब्रिटेन व यूरोपीय देशों के उदार लोकतंत्रों की स्वीकृति व सहयोग की ज्यादा जरूरत होगी। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के जीवन का यह संभवत- सबसे अहम कार्यकाल है, क्योंकि इसके खत्म होने तक वह अस्सी वर्ष की आयु पार कर जाएंगी। इस दौरान देश को आगे ले जाने के साथ-साथ उन्हें पार्टी में अपने उत्तराधिकारी के मुद्दे को भी सुलझाना होगा। शेख हसीना के पास एक ऐतिहासिक अवसर है कि वह बांग्लादेश को एक ऐसे परिपक्व लोकतंत्र के रूप में तब्दील कर सकें, जिसमें विपक्ष की आवाज को निर्बाध अभिव्यक्ति का मौका मिले; जहां चुनाव हिंसा से पूरी तरह मुक्त हों और अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के हितों का हर सूरत में संरक्षण किया जाए।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

नयी रणनीति बने पर्यटकों को लुभाने की

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन 8 जनवरी को गूगल सर्च पर भारत के लक्षद्वीप की खोज 20 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए लक्षद्वीप विश्व पर्यटन मानचित्र पर छाते हुए दिखाई दिया है। इसके पीछे घटनाक्रम यह है कि चार जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समुद्र से घिरे और खूबसूरत लक्षद्वीप पर पहुंचे थे। यहां से उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर कीं और भारतीयों से लक्षद्वीप घूमने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग रोमांच को पसंद करते हैं उनके लिए लक्षद्वीप टॉप लिस्ट में होना चाहिए। वस्तुतः अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश माना गया कि लक्षद्वीप के शानदार समुद्र तट प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ शांति के मामले में भी मालदीव को टक्कर देते हैं। ऐसे में कम समय व कम खर्च में मालदीव जैसा आनंद लक्षद्वीप में क्यों नहीं? गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने लक्षद्वीप का दौरा करके भारत से बेरुखी और चीन के प्रति बार-बार प्यार दिखा रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को नई पर्यटन चुनौती का झटका देने का संदेश दिया। दुनिया में पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध देशों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है। ऐसे में लक्षद्वीप का यह हालिया पर्यटन घटनाक्रम और ऐसे ही घरेलू पर्यटन स्थलों को रेखांकित करते हुए नए रणनीतिक प्रयास करने होंगे। ऐसे प्रयास न केवल भारतीय पर्यटकों के विदेशी पर्यटन स्थलों की ओर बढ़ते प्रवाह को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं, वरन दुनिया के कोने-कोने के देशों के पर्यटकों के कदमों को भारत की ओर मोड़ने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले दिनों श्रीलंका, थाईलैंड और मलेशिया ने भारतीय पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने तथा पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। ऑस्ट्रेलिया वियतनाम और रूस सहित कुछ अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी अधिक से अधिक भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वीजा की प्रक्रिया आसान बनाई गई है। वस्तुतः अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के कई देशों के वीजा के लिए प्रतीक्षा अवधि लंबी और चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या कम होने के कारण भी ये देश विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की नई रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के पर्यटन प्रधान देशों द्वारा विदेशी पर्यटकों से संबंधित उन शोध अध्ययनों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिनमें कहा जा रहा है कि भारतीय मध्यम वर्ग की तेजी से बढ़ती क्रय शक्ति के कारण उनमें विदेश यात्रा की ललक और अभिरुचि बढ़ी है। साथ ही भारतीय पर्यटकों के लिए भारत के कोने-कोने के अच्छे पर्यटन स्थल महंगे और मुश्किल भरे हुए हैं। ऐसे में भारतीयों की छलांगें लगाकर बढ़ती हुई पर्यटन संभावनाओं के मद्देनजर भारतीय पर्यटकों को लुभाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हुए सस्ते और सुगम पर्यटन की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थिति यह है कि चाहे दुनिया में सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों के लिए रेखांकित हो रहे फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, चीन और इटली हों या फिर सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया, हांगकांग, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) जैसे छोटे-छोटे देश हों, ये सभी देश पर्यटन के लिए बुनियादी ढांचा, सुगमता, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) रैंकिंग में ऊंचाई पर हैं। साथ ही ये देश अपने यहां कुछ अनूठी विशिष्टताओं को विकसित करके विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के मामले में भारत से बहुत आगे हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय पर्यटकों की विदेश यात्राओं के दौरान किए जाने वाले खर्च का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, दूसरी ओर विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में किए जाने वाले खर्च के ग्राफ की वैसी ऊंचाई नहीं है। विदेशी पर्यटकों द्वारा भारत में खर्च 2019 से 76 फीसदी की वृद्धि के साथ 2027 तक करीब 60 अरब डॉलर पर पहुंचते हुए दिखाई देगा इसके परिणामस्वरूप भारत विदेशी पर्यटकों से कमाई के मामले में दुनिया के प्रमुख 10 बाजारों में शामिल नहीं हो पाएगा। यदि हम बर्नस्टीन की इस रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि यद्यपि भारत में भी कोविड-19 के बाद विदेशी पर्यटक बढ़ रहे हैं और विदेशी पर्यटकों से आमदनी बढ़ रही है, लेकिन विदेश जाने वाले भारतीयों द्वारा विदेश भ्रमण में किए जा रहे भारी-भरकम व्यय की तुलना में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों से भारत की आमदनी बहुत कम है। अभी भी दुनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। निःसंदेह जहां एक ओर भारतीयों का विदेशी पर्यटन की तरफ तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क से भी विदेशी पर्यटन को बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। कश्मीर सहित देश के कोने-कोने के पर्यटन केंद्र अब पहले से अधिक सुरक्षित हैं। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। खास बात यह भी है कि सरकार ने इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के कार्यसमूह की रणनीतिक रूप से देश के कोने-कोने में 80 से अधिक शहरों में आयोजित 200 से अधिक विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेने भारत आए विदेशी प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों को भारत के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार का अभूतपूर्व मौका बनाया है। ऐसे विभिन्न प्रयासों के बाद भी भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ी है। पिछले वर्ष 2023 में भारत में जनवरी से जून तक आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 43.80 लाख रही है और यह 2023 में करीब एक करोड़ के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। लेकिन विदेशी पर्यटकों की यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले वर्ष 2018 में भारत आए 2.88 करोड़ विदेशी पर्यटकों की तुलना में अभी बहुत पीछे है। इतना ही नहीं, भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या वृद्धि दुनिया के कई देशों की तुलना में कितनी कम है, इसका अनुमान हम इस तथ्य से लगा सकते हैं कि स्पेन में पिछले वर्ष 2023 की पहली छमाही में ही 37.50 करोड़ विदेशी पर्यटक गए थे।निश्चित रूप से लक्षद्वीप के जनवरी, 2024 के शुरुआती पर्यटन घटनाक्रम से यह संदेश निकला है कि घरेलू पर्यटकों के तेजी से बढ़ते विदेश पर्यटन के कदमों को नियंत्रित करके उन्हें देश के पर्यटन स्थलों की ओर मोड़ा जा सकता है। हम उम्मीद करें कि सरकार लक्षद्वीप के हालिया घटनाक्रम तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों और दुनिया के ऊंचे क्रम के पर्यटन प्रधान देशों की तरह भारत में भी पर्यटन सेक्टर को और जीवंत बनाने की नई रणनीति के साथ वैश्विक पर्यटन की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पहली पंक्ति में आने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में भी विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए वीजा नीति उदार बनाई जाएगी और अल्प अवधि में बड़ी संख्या में वीजा निर्गम करने के लिए एक ठोस प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जाएगा।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

आधुनिक तकनीक से समृद्ध हो शैक्षिक पाठ्यक्रम

शिक्षा में बढ़े निवेश/ सुरेश सेठ

हमने 2024 में कदम रख लिया है। यह कदम है नये ज्ञान का, इंटरनेट ताकत का, चैट जीपीटी का और कृत्रिम मेधा का। रोबोटिक्स युग शुरू हो गया। इस युग के आविर्भाव के लिए हमें पहले तो देश की वास्तविकता की पहचान करनी होगी। यह देश जहां पर पिछड़े हुए इलाके हैं, पहाड़ों में बिखरी हुई जनसंख्या है और हमारा ग्रामीण समाज है जिन्हें शिक्षा के नाम पर पुरातनपंथी अध्यापकों द्वारा पुराने सिलेबस की वही रिवायती शिक्षा परोसी जाती है। लेकिन दूसरी ओर शुरू हो गई देश में कौशल विकास योजना। इस बदले हुए युग में युवाओं को इंडस्ट्री के नये युग के अनुरूप ढालना पड़ेगा। कृत्रिम मेधा आ गई, 3डी प्रिंटिंग आ गई, रोबोटिक्स आ गई और डीपफेक जैसा कुप्रचलन आ गया। इस साल की अंतिम मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अन्वेषण, नयी सोच, शोध और नये अध्यवसाय की बात की है लेकिन उसके लिए चाहिए अधिक निवेश। नीति आयोग का कहना है कि देश की सकल घरेलू आय का कम से कम 6 प्रतिशत शिक्षा विकास पर खर्च किया जाना चाहिए। लेकिन इस समय तक भी शिक्षा विकास पर हम केवल 2.9 प्रतिशत ही खर्च कर रहे हैं। कहा गया है कि इस बार अर्थात् 2023-24 में हमने शिक्षा विकास पर 1.12 लाख करोड़ रुपया खर्च किया है। लेकिन पीछे मुड़कर देखते हैं तो 2019-20 में भी हमने 94 हजार करोड़ रुपया खर्च कर दिया था। जरूरत है इस समय शिक्षकों को नई डिजिटल शिक्षा के आधार पर प्रशिक्षित किया जाए। चाहे देश में 740 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल बनाने का फैसला किया गया है, जिसमें 38 हजार शिक्षकों को नियुक्ति मिलेगी ताकि शुरू से ही ये शिक्षक जमीनी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को बदलें और बेहतर बनाएं। शिक्षक इंग्लैंड, अमेरिका और सिंगापुर में प्रशिक्षण के लिए भेजे जाएं। सिंगापुर शिक्षा के बेहतरीन मॉडल के तौर पर जाना जाता है। इसीलिए पंजाब सरकार ने शिक्षकों के ग्रुप सिंगापुर में भेजे हैं लेकिन समग्र शिक्षा अभियान में सबसे पहले तो शिक्षकों का चयन करने के लिए उनकी सीमा रेखाओं को बड़ा किया जाए और उससे पहले शिक्षकों की कमी तो पूरी की जाए। प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक तमाम पद खाली पड़े हैं। कच्चे और अस्थाई अध्यापक काम चला रहे हैं। शिक्षा युग को बदलना है और उससे ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनानी है तो यह अस्थाई अध्यापकों की नींव पर नहीं बनेगी। देश में ग्रामीणों को डिजिटल साक्षर बनाने के लिए एकल अभियान शुरू किया गया है। इसके लिए एकल शिक्षा ऑन व्हील बसें देश के 20 से अधिक राज्यों में गांव-गांव घूमकर लोगों को कंप्यूटर से परिचित करवा रही हैं। नया युग है, इसमें बच्चे ही नहीं बल्कि बड़े भी कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करने के साथ-साथ निपुण भी होना चाहते हैं। लेकिन क्या जो एकल शिक्षा ऑन व्हील का अभियान शुरू हुआ है, वह काफी होगा? अनुमान है कि इस गाड़ी पर प्रति वर्ष 12 लाख रुपये खर्च होते हैं। इसमें 9 लैपटॉप रहते हैं। एक बार में 18 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। वाहन में सौर ऊर्जा से चलने वाले जेनरेटर की भी व्यवस्था है। यहां सर्च इंजन तक का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाया जाता है। चाहे अभी यह योजना झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक राज्यों में चल रही है लेकिन योजना बने कि देश के कोनों में भी ऐसे पक्के डिजिटल शिक्षा केन्द्र स्थापित किए जाएं जो लोगों को डिजिटल साक्षर कर सकें। इस साल 42 हजार लोगों को डिजिटल साक्षर करने का लक्ष्य है। दरअसल, 42 हजार से 42 लाख तक जाने की यात्रा सबके सहयोग से ही पूरी हो सकती है। सरकार ने अपनी ओर से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी तो स्थापित कर दी है, जिससे देश के हर उम्र के लोगों को पढ़ने के लिए किताबें और दूसरी सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। लेकिन इस डिजिटल लाइब्रेरी को भरने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के शोध प्रभागों, नेशनल बुक ट्रस्ट और चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट को भी ज्ञान बांटने के डिजिटल युग में प्रवेश करने के लिये पर्याप्त तैयारी करनी पड़ेगी। देश में प्रधानमंत्री की इस वर्ष 14,500 पी.एम. श्रीस्कूल स्थापित करने की योजना है, जिस पर अगले पांच सालों में 27,360 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे 20 लाख से अधिक लोगों को फायदा मिलेगा। लेकिन 5 साल के इस अंतराल में जो प्रतीक्षा डिजिटल होने में लोगों को करनी पड़ेगी, उसके लिए अति आवश्यक है कि तत्काल इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए शिक्षा के वर्तमान ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन हो। अर्थात् पालिटेक्निक से लेकर इंजीनियरिंग तक और आयुर्वेद से लेकर मेडिकल शिक्षा तक कृत्रिम मेधा का वह सहारा दिया जाए कि जिसके बगैर अभी इनके सिलेबस पूरे आधुनिक ज्ञान से पिछड़ रहे हैं। डिजिटल आधारित अर्थव्यवस्था बनानी है तो उसे बनाने की दृष्टि से लेकर कारगुजारी, पुस्तकों और सिलेबस तक सब बदलना पड़ेगा।

लेखक साहित्यकार हैं।

विचार मंथन

सियासी संकट के बीच लोकतंत्र की बाट जोहता पाकिस्तान

(लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान)

विचार करें और बताएं कि आखिर पाकिस्तान में राजनीतिक संकट कब और किसके दौर में नहीं रहा? इतिहास गवाह है कि जब से पाकिस्तान बना है लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करने की बजाय उन्हें खत्म करने पर ज्यादा काम हुआ है। फिर चाहे वह कायदे आजम जिन्ना का काल रहा हो या बेनजीर भुट्टो के वालिद जुल्फिकार अली भुट्टो से लेकर नवाज शरीफ, जनरल मुशर्रफ और इमरान खान का ही काल क्यों न रहा हो। यह बात काफी हद तक सही है कि भुट्टो परिवार ही एक मात्र ऐसा पाकिस्तानी राजनीतिक परिवार रहा है जिसने अपने काल में पड़ोसी मुल्कों से ताल्लुकात सही रखने की कोशिश की और लोकतांत्रिक मूल्यों को स्थापित करने में अपनी जान भी गंवाई। इस बात को यूं समझा जा सकता है कि जब-जब पाकिस्तान के किसी बड़े लीडर ने भारत से अपने संबंध सुधारने की वकालत की उसे किसी न किसी बहाने से या तो हाशिये पर लेजाकर बैठा दिया गया या वह किसी हादसे का शिकार हुआ और कहीं का नहीं रहा। इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण जनरल परवेज मुशर्रफ रहे, जिन्होंने स्वीकार किया था कि वो भारत से अपने देश के रिश्ते सामान्य नहीं रख सकते हैं, ऐसा करने पर उन्हें पाकिस्तान छोड़ कर दिल्ली स्थित नाहर वाली हवेली में आकर रहना पड़ेगा। बात स्पष्ट है कि जिसकी नींव ही नफरत से रखी गई हो आखिर उस इमारत में प्रेम और भाईचारा कैसे परवान चढ़ सकता है। इसका खामियाजा आतंकवादी हमलों के तौर पर पड़ोसी मुल्कों को सदा से भुगतना पड़ा है। आतंकवादियों और भगोड़े अपराधियों को प्रश्रय देकर आतंक को बढ़ाना उसके मिजाज में शामिल रहा है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय मंच पर सदा से पाकिस्तान मुंह की खाता आया है। इस दिशा में किसी सरकार ने कोई खास काम नहीं किया और बदले में पाकिस्तान को अपने ही देश के बड़े नेताओं को भी खोना पड़ा है। इसके अलावा पाक सेना ने जब चाहा लोकतांत्रिक सरकारों को पद्च्युत कर तानाशाही लादने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ इस बात को बेहतर जानते हैं और उन्हें इस बात का खासा अनुभव भी रहा है। यह अलग बात है कि उनकी किस्मत ने तब उनका भरपूर साथ दिया और किसी बड़ी अनहोनी से वो बचते रहे। बहरहाल हम मौजूदा राजनीतिक संकट की बात कर रहे हैं, जिसमें पाकिस्तान के तमाम बड़े नेता न्यायालय के रहमो-करम पर जिंदा नजर आ रहे हैं। इस परिदृष्य में हम थोड़ा पीछे चलते हैं जहां तोशाखाना मामले की सुनवाई इस्लामाबाद के जिला और सत्र न्यायालय में होती है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान के ख़िलाफ़ सुनवाई के दौरान कोर्ट कहता है कि अगर इमरान खान सरेंडर कर देते हैं तो अदालत पुलिस को आदेश दे सकती है कि वो उन्हें गिरफ़्तार ना करे। अदालत की इस एक लाईन ने यह तो बतला दिया कि कानून के सामने सब बराबर हैं, फिर चाहे वह देश का प्रधानमंत्री हो या सामान्य इंसान, सभी को कानून के दायरे में रखकर न्याय किया जाएगा। यह बात बोलने में जितनी अच्छी लगती है उतनी ही यदि वाकई लागू हो जाए तो सोने पर सुहागा जैसी भी हो सकती है, लेकिन सभी जानते हैं कि इसमें भी कहीं न कहीं सियासत ही काम करती है। आखिरकार देश की सत्ता कौन संभालेगा और किसे जेल में रहना होगा यह सब लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा न होकर सेना और न्यायपालिका के लोग तय करते नजर आते हैं। ऐसे आरोप लगाने वाले इतिहास के वो पन्ने अपने साथ रखते हैं जिन्हें खोलने पर मालूम चलता है कि पाकिस्तान में कभी भी लोकतंत्र बहाली पर गंभीरता से न तो विचार किया गया और न ही उस पर अमल ही हो पाया है।

इसलिए पाकिस्तान में लगातार राजनीतिक संकट बना रहा है। कद्दावर नेताओं को गिरफ्तारी और किसी हादसे के नाम पर जान से मार दिए जाने का खतरा बराबर बना रहता है। आतंकी हमलों के बीच बलूच आंदोलन ने पाकिस्तान की राजनीति को ऐसी जगह पहुंचा दिया है जहां यह कहना मुश्किल हो जाता है कि अगले कुछ दिन व सप्ताहों में क्या कुछ हो सकता है। इस समय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। इस कारण भी पाकिस्तान की सियासी हालत भी खराब चल रही है। इसी के साथ पाकिस्तान में कानून व्यवस्था की हालत भी खराब हो चुकी है। इसलिए यह कहना ज्यादा आसान लगता है कि आने वाले दिनों में यह सियासी संकट और गहराएगा और अधिक अफ़रा-तफ़री का माहौल दिखाई देगा और अशांति के दौर से पाकिस्तान को गुजरना होगा।

कुल मिलाकर जो बोया है उसे ही तो वह काटेगा और जब बबूल बोया गया हो तो आम कहां से होंगे। अंतत- एक स्वतंत्र मुल्क होने के नाते पाकिस्तान तो आज भी अपने लोकतंत्र होने की बाट जोहता प्रतीत हो रहा है।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना

बनारस

***य**ह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान शिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।*

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज़, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम बुद्ध, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

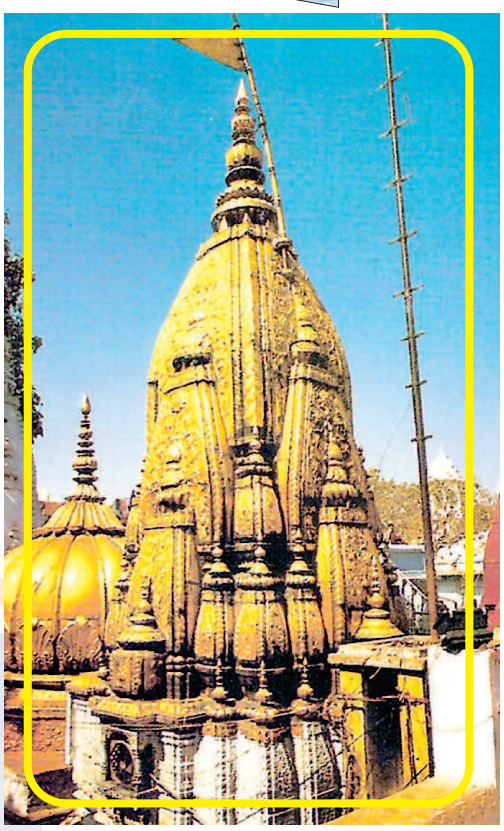

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्राहलय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्राहलय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

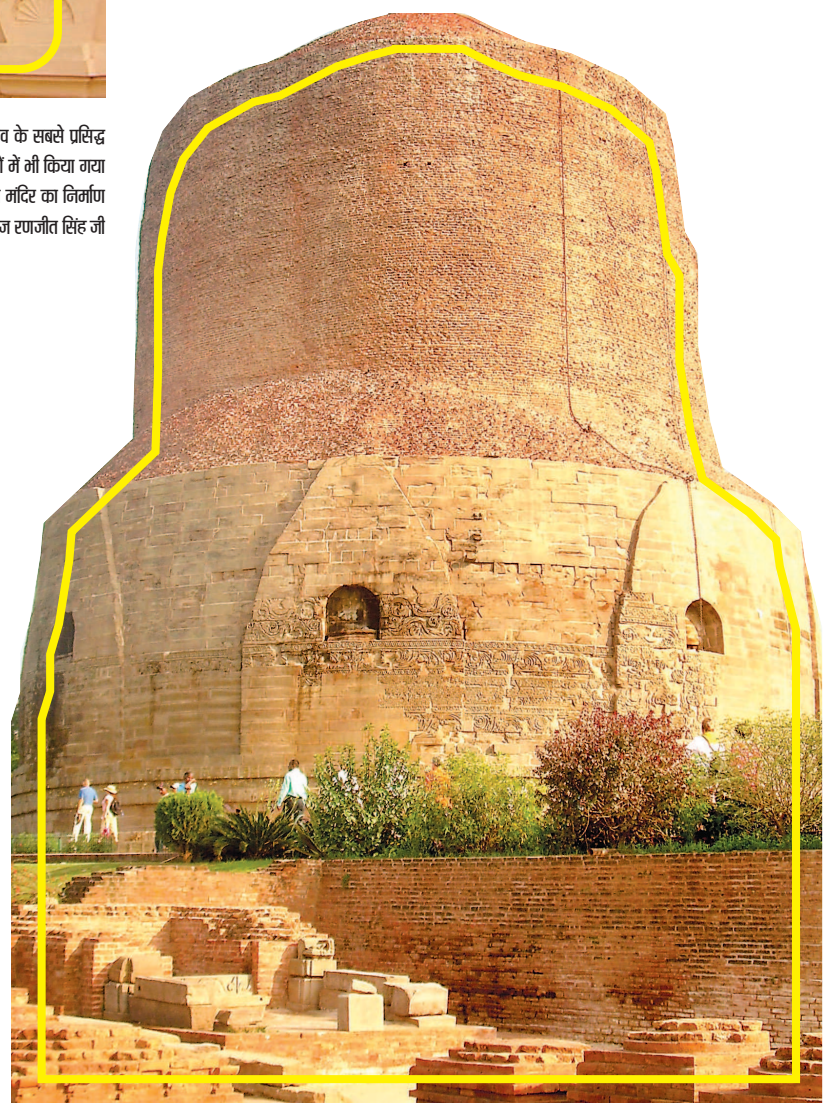

डेल्टा कॉर्प, आईईएक्स, बंधन बैंक सहित 12 स्टॉक्स एफएंडओ बैन लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा बुधवार, 10 जनवरी को वायदा और विकल्प (एफएंडओ) सेगमेंट के तहत ट्रेड के लिए 12 शेयरों को प्रतिबंध किया गया है। इन सिक्युरिटीज को एफएंडओ सेगमेंट के तहत प्रतिबंध पर रखा गया है, क्योंकि यह मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट का 95 फीसदी पार कर गया है। हालांकि, स्टॉक कैश मार्केट में ट्रेड के लिए उपलब्ध होंगे। डेल्टा कॉर्प, आईईएक्स, बंधन बैंक, बलरामपुर चीनी मिल्स, बंधन बैंक, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, डेल्टा कॉर्प, एस्कॉर्ट्स, जीएनएफसी, हिंदुस्तान कॉपर, इंडियन एनर्जी एक्सचेंज लिमिटेड (आईईएक्स), इंडिया सीमेंट्स, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, पीरामल एंटरप्राइजेज और सेल पर प्रे तिबंध लग गया है। एनएसई हर दिन ट्रेड के लिए एफ एंड ओ बैन में सिक्युरिटिज की लिस्ट को अपडेट करता है। एनएसई ने कहा प्रतिभूतियों में डेरिवेटिव के 95 फीसदी को पार कर गए हैं। इस संबंध में एनएसई ने कहा कि इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि सभी ग्राहक/सदस्य उक्त सुरक्षा के डेरिवेटिव अनुबंधों में केवल ऑफसेटिंग पोजीशन के माध्यम से अपनी स्थिति कम करने के लिए ट्रेड करेंगे। ओपन पोजीशिन में किसी भी वृद्धि पर उचित दंडात्मक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा एफएंडओ बैन अवधि के तहत रखे जाने पर किसी विशेष स्टॉक में किसी भी एफएंडओ अनुबंध के लिए किसी भी नई स्थिति की अनुमति नहीं दी जाती है। शेयर बाजार की बात करें तो सेंसेक्स और निफ्टी 50 मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स शुरू में तेजी से चढ़ा, लेकिन बाद में कारोबार समाप्ति से पहले बिकवाली दबाव से इसके लाभ में कमी आई। अंत में यह 30.99 अंक की मामूली बढ़त के साथ 71,386.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 680.25 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी भी कारोबार के दौरान हुए ज्यादातर लाभ को गंवाते हुए अंत में 31.85 अंक की हल्की बढ़त के साथ 21,544.85 अंक पर बंद हुआ।

पटेल इंजिनियरिंग के शेयरों में तीन साल बाद 600 प्रतिशत का उछाल आया

दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने बड़ा दांव लगाकर खरीदे हैं 1.3 करोड़ शेयर

नई दिल्ली । पटेल इंजिनियरिंग के शेयरों में भारी उछाल आया है। इसको 98 फीसदी टूटने के बाद अच्छी तेजी मिली है। इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सर्विसेज कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 700 रुपये से लुढ़ककर 9 रुपये पर आ गए थे। इधर, पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 600 पर्सेंट का उछाल आया है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने इस मल्टीबैगर स्टॉक पर बड़ा दांव लगाया है। विजय केडिया के पास कंपनी के 13000000 शेयर हैं। बता दें कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 4 जनवरी 2008 को 705.74 रुपये पर थे। इसके बाद कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 6 नवंबर 2020 को 9.06 रुपये पर पहुंच गए। ऑल टाइम हाई से कंपनी के शेयरों में 98 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। इधर, पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी लौटी है। यही वजह रही कि पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में इस अवधि में 600 पर्सेंट का उछाल आया है। एक साल में कंपनी के शेयरों में 285 फीसदी का उछाल देखा गया है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले एक साल में ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 285 पर्सेंट चढ़ गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 10 जनवरी 2023 को 16.52 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 10 जनवरी 2024 को 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 6 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 70 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। पिछले 3 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 30 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 49.23 रुपये से बढ़कर 64.30 रुपये पर पहुंच गए हैं।

टैक्स छूट की सीमा को बढ़ाकर 7.5 लाख रुपये कर सकती है केन्द्र सरकार

नई दिल्ली ।

केन्द्र सरकार आने वाले समय में आयकरदातों को राहत देते हुए टैक्स छूट की राशि को 7 से बढ़ाकर 7.5 लाख कर सकती है। अनुमान है कि एक फरवरी को पेश वाले अंतरिम बजट में नई व्यवस्था के तहत ही इसे सात लाख रुपये से बढ़ाकर 7.5 लाख रुपये किया जा सकता है। इस बदलाव के लिए वित्त विधेयक पेश किया जा सकता है।

वहीं विशेषज्ञों के अनुसार यदि सरकार यह फैसला लेती है तो करदाताओं को नई कर व्यवस्था में आठ लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं देना होगा। इस छूट में 50 हजार रुपये की मानक कटौती भी शामिल है। इससे पहले सरकार ने 2023 के बजट में नई कर व्यवस्था के तहत इसे पांच लाख रुपये से बढ़ाकर सात लाख रुपये किया था। गौरतलब है कि सरकार ने बजट 2023 में नई कर व्यवस्था में कई बदलाव करते हुए राहत दी थी। इसके मुताबिक, पहले नई कर व्यवस्था में किसी भी तरह के निवेश या कटौती का दावा नहीं किया जा सकता था, लेकिन बजट में इसमें मानक कटौती को शामिल कर लिया गया है। इसके तहत, करदाताओं को 50,000 रुपये तक की कर कटौती दी जाती है। वहीं, पेंशनधारियों को इस व्यवस्था के तहत 15,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है।

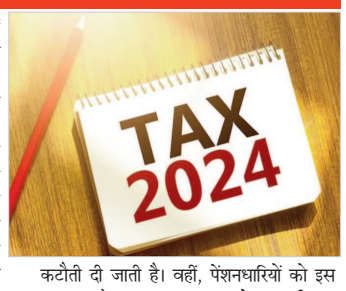

आज इतना सस्ता हो गया सोना, चांदी के भी गिरे भाव

नई दिल्ली । सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को गिरावट है। सर्राफा बाजारों में अब 10 ग्राम 2कैरेट गोल्ड सस्ता होकर 62247 पर आ गया है। जबकि, चांदी का भाव अब 545 रुपये प्रति किलो गिरकर 71295 रुपये प्रति किलो पर आ गया है। सोना अपने 4 दिसंबर 2023 के ऑल टाइम हाई 63805 रुपये से 1558 रुपये सस्ता है। सोने-चांदी के ये रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए हैं। इस रेट पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में सोना-चांदी 1000 से 2000 रुपये महंगा मिल रहा हो।

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले रॉकेट बना इस कंपनी का शेयर

मुंबई । अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। इस कार्यक्रम को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। वहीं, शेयर बाजार में भी अयोध्या से कनेक्शन वाले शेयरों के लिए निवेशक उत्साहित नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक शेयर अपोलो सिंदुरी होटल्स का है। बीते कारोबारी दिन 1996.65 रुपये के भाव पर बंद होने वाला यह शेयर बुधवार को 15 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 2300 रुपये पर पहुंच गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। शेयर ने पिछले साल फरवरी महीने में 1020 रुपये के 52 हफ्ते के लो को टच किया था। मुख्य तौर पर यह शेयर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़ी हुई है। अपोलो सिंदुरी होटल्स अयोध्या में एक मल्टीलेवल पार्किंग फैसलिटीज है। अयोध्या के टेढ़ी बाजार में इस फैसलिटीज में रेस्तरां के लिए एक रूफटॉप एरिया है, जो 1000 से अधिक पर्यटकों की मेजबानी करने में सक्षम है। यह 3,000 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का बहुप्रतीक्षित प्रतिष्ठा समारोह है। इस समारोह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अयोध्या को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए निवेश की घोषणा ने कई शेयरों को बूस्ट दिया है। मंदिर के खुलने और भविष्य में निवेश के बाद पर्यटन में संभावित वृद्धि के कारण अयोध्या और उसके आसपास हॉस्पिटैलिटी में तेजी आने की उम्मीद है।

अगले 5 वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करेगा : गौतम अदाणी

नई दिल्ली।

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ रुपये (25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करेगा, जिससे 1 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। नई दिल्ली, 10 जनवरी (आईएनएस)। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने बुधवार को कहा कि अगले पांच वर्षों में अदाणी समूह गुजरात में 2 लाख करोड़ रुपये (25 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का निवेश करेगा, जिससे 1 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

अदाणी ने अहमदाबाद में 10वें वाइब्रेंट गुजरात समिट में कहा, आज, मैं आगे निवेश के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम कच्छ के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े 725 वर्ग किलोमीटर में फैले 30 गीगावॉट क्षमता वाले हरित ऊर्जा पार्क का निर्माण कर रहे हैं, जो अंतरिक्ष से भी दिखाई देगा। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए हरित सप्लाई चेन का विस्तार कर रहे हैं और सबसे बड़ा एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं। इसमें सौर पैनल, पवन टरबाइन, हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइज़र, हरित अमोनिया, पीवीसी और तांबे-सीमेंट उत्पादन में विस्तार शामिल हैं। अदाणी ने कहा कि पिछले शिखर सम्मेलन में उन्होंने 2025 तक 55,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की थी। मैंने पहले ही विभिन्न क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था और 25,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है। ÷वाइब्रेंट गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असाधारण दृष्टि की अद्भुत अभिव्यक्ति है। इसमें आपके सभी हॉलमार्क सिग्नेचर्स, मजिंग ग्रैंड एम्बिशन, विशाल पैमाने, सावधानीपूर्वक शासन और त्रुटिहीन निष्पादन शामिल हैं। इसने एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन को प्रज्वलित किया क्योंकि हमारे सभी राज्य भारत के औद्योगिक परिदृश्य को मौलिक रूप से फिर से तैयार करने के लिए प्रतिस्पर्धा और सहयोग करते हुए आगे बढ़े हैं। उन्होंने जिक्र किया, पिछले दशक के आंकड़े उल्लेखनीय हैं। साल 2014 के बाद से भारत ने जीडीपी में 185 फीसदी की वृद्धि और पर-कैपिटा इनकम में 165 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जो कि जियो पॉलिटिकल और महामारी से संबंधित चुनौतियों को देखते हुए अद्वितीय है। अदाणी ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आपकी उपलब्धियां भी उतनी ही उल्लेखनीय हैं, आप हमें विश्व मंचों पर आवाज उठाने वाले देश से एक ऐसे देश में ले गए हैं, जो अब ग्लोबल मंच बनाता है। सोलर अलायंस प्लेटफॉर्म एक पहल है, जिसकी आपने संकल्पना की और जी20 प्लेटफॉर्म पर आपके नेतृत्व ने अधिक समावेशी विश्व व्यवस्था के लिए एक मानदंड स्थापित किया। ग्लोबल साउथ को जी20 में जोड़ना आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक पल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आप केवल भविष्य की भविष्यवाणी नहीं करते हैं, आप इसे आकार भी देते हैं। आपने भारत को दुनिया का सबसे तेजी से विकास करने वाला राष्ट्र बनने के लिए फिर से तैयार किया है। इतना ही नहीं उसे 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'विश्व गुरु' के दोहरे दर्शन से प्रेरित वैश्विक सामाजिक चैंपियन के रूप में स्थापित किया है।' उन्होंने आगे कहा, सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के युवाओं का उपयोग करने और 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने में आपकी दूरदर्शिता के साथ, आपने यह सुनिश्चित किया है कि आज का भारत कल के वैश्विक भविष्य को आकार देने के लिए तैयार है।

दाल और आटे के बाद सस्ता भारत ब्रांड के नाम से चावल बेचेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

देश में इनदिनों चावल-दाल की कीमत कुछ ज्यादा ही है। इससे आम आदमी परेशान नहीं हो, इसके लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाने की घोषणा की है। पहले मोदी सरकार ने देश के करीब 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन देने की योजना को पांच साल के लिए और बढ़ा दिया। अब भारत ब्रांड के तहत सस्ते चावल बेचने की तैयारी है। इसके पहले मोदी सरकार भारत ब्रांड के तहत सस्ती दाल और सस्ते आटे भी बेचने की शुरुआत कर चुकी है। यूं अभी भारत ब्रांड चावल की कीमत तय नहीं हुई है, लेकिन बताया जाता है कि इसका दाम 25 रुपये किलो हो सकता है। इस चावल को सरकारी दुकानों से बेचने की तैयारी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक मध्यमवर्गीय को महंगे चावल से राहत दिलाने के लिए भारत ब्रांड चावल बेचने की तैयारी है। इसी तरह से पहले से भारत ब्रांड दाल और आटे की बिक्री की जा रही है। भारत ब्रांड चावल बेचने की जिम्मेदारी नेफेड और एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार जैसे संगठनों को दी जाएगी। कोशिश की जा रही है कि इस चावल को पैककर जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों यानी राशन डीलरों के जरिये भी बिकवायी जाए। बीते कुछ समय से चावल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

इस साल चावल की कीमतों में 14.1 फीसदी तक की तेजी देखने को मिली है। नॉर्मल नॉन ब्रांडेड चावल की कीमत औसत रूप से 43.3 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। इसके बाद चावल के दामों में आई तेजी को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने भारत ब्रांड के तहत सस्ता चावल बेचने का फैसला किया।

एफसीआई से मिलेगा सस्ते चावल

एनसीसीएफ (एनसीसीएफ) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से सस्ते चावल की सप्लाई होगी। इसकी छोटी पैकिंग करा के चावल को रिटेल स्टोर या राशन डीलरों के जरिए बेचा जा सकता है। छोटी पैकिंग कितने किलो की होगी, इस सवाल पर उन्होंने बताया कि अभी इसका फैसला नहीं हुआ है। हो सकता है कि चावल की पैकिंग पांच किलो की हो या 10 किलो की हो।

प्रबंधन परियोजना को विश्व बैंक से मिलेंगे करोडों रुपए

-विश्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । बाढ़ प्रबंधन और अतिरिक्त पानी को सूखाग्रस्त मराठवाड़ा क्षेत्रों में स्थानांतरित करने महाराष्ट्र के कोल्हापूर और सांगली जिलों में विश्व बैंक से करोडों रुपए मिलेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विश्व बैंक और वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दी है। यह परियोजना की लागत 3,300 करोड़ रुपये की है, जिसमें विश्व बैंक 2,328 करोड़ रुपये और राज्य सरकार 998 करोड़ रुपये का योगदान देगी। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने दी। इसके अलावा, एकीकृत जल प्रबंधन और निगरानी प्रणाली के माध्यम से अतिरिक्त पानी को सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में ले जाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह परियोजना कोल्हापूर और सांगली जिलों में बाढ़ से राहत प्रदान करने और मराठवाड़ा में सूखे की समस्या को दूर करने में मदद करेगी। यह परियोजना महाराष्ट्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। यह परियोजना कोल्हापूर और सांगली जिलों में बाढ़ के जोखिम को कम करने और मराठवाड़ा में सिंचाई सुविधाओं में सुधार करने में मदद करेगी।इस परियोजना के तहत कृष्णा और भीमा नदी घाटी में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके विविध काम पूरे किए जाएंगे। इनमें बाढ़ रेखाओं का निर्धारण, नदियों की गहराई बढ़ाना, गाद निकालना आदि शामिल हैं।

गुजरात आधुनिक भारत की वृद्धि का प्रवेश द्वार: अंबानी

-उदयोगपति ने कहा- रिलायंस हमेशा गुजरात की कंपनी रहेगी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा गुजरात आधुनिक भारत की वृद्धि का प्रवेश द्वार है। अंबानी ने कहा, मैं आज दोहराता हूं कि रिलायंस हमेशा गुजरात की कंपनी रहेगी। जानेमाने उदयोगपति अंबानी आज वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के 10वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे।

पीएम मोदी का कहना है कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट आत्मनिर्भर भारत के लिए समृद्ध गुजरात की परिकल्पना के साथ नई ऊंचाइयां हासिल करता रहेगा। श्री अंबानी ने आगे कहा- रिलायंस ने भारत में 12 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसमें से एक तिहाई निवेश गुजरात में किया है। वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में गुजरात में गीगा फैक्टरी शुरू करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, गुजरात वर्ष 2047 तक 3000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा; भारत को 2047 तक 35000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। अंबानी ने कहा कि हम नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से साल 2030 तक गुजरात की आधी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्य में मदद करेंगे। इसके लिए जामनगर में 5,000 एकड़ में हमने धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स का निर्माण शुरू कर दिया है।इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी और हरित उत्पादों का उत्पादन संभव हो सकेगा और गुजरात को हरित उत्पादों का अग्रणी निर्यातक बना देगा। इसे हम इसे 2024 की दूसरी छमाही में ही चालू करने के लिए तैयार हैं। आज गुजरात पूरी तरह से 5G सक्षम है ,जो दुनिया के अधिकांश देशों के पास अभी तक नहीं है। यह गुजरात को डिजिटल डेटा प्लेटफॉर्म और एआई अपनाने में वैश्विक नेता बना देगा। उन्होंने कहा कि 5त-सक्षम-ढ्ढ क्रांति गुजरात की अर्थव्यवस्था को अधिक उत्पादक, और अधिक कुशल बनाएगी। लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा करने के अलावा यह एआई सक्षम उत्पादन करेगा। गुजरात राज्य में शिक्षा और कृषि उत्पादकता, डॉक्टर, एआई सक्षम शिक्षक और एआई सक्षम खेती, जो स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाएगी। मुकेश अंबानी ने गुजरात और वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन का स्वागत किया। इसे वैश्विक स्तर पर सबसे प्रतिष्ठित निवेशक शिखर सम्मेलनों में से एक माना जाता है। यह शिखर सम्मेलन दो दशकों से जारी है। मुकेश अंबानी ने मोदी है तो मुमकिन है इन शब्दों के साथ संबोधन की शुरुआत की।

यामाहा मोटर ने नये उन्नत मॉडल पेश किये

चेन्नई ।

इंडिया यामाहा मोटर ने नये मॉडल पेश किये हैं। याहमा ने आरटी 15 , एफसी-एस एफजेड प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी मोटरसाइकिल लाइन-अप में बड़े बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने यू-ट्यूब प्लेटफॉर्म पर अपने वर्चुअल लाइव इवेंट में आर15 वर्जन 4.0 और एफजेड सीरीज के मॉडल्स को नए रंग और नये डिजाइन ग्राफिक्स और कॉस्मेटिक बदलावों के साथ लॉन्च किया है। इसमें एफजेड-एसएफन वी4.0 डीएलएक्स, एफजेड-एस एफ वी 3.0, एफजेड एफवन वी3.0 और एफजेड-एक्स शामिल हैं।

कंपनी का मानना है कि नए रंग और ग्राफिक्स के साथ आ रह इन मोटरसाइकिलों से कंपनी की बिक्री को बढ़ावा मिलेगा और युवा ग्राहकों के साथ ही तगड़ा संबंध स्थापित करेगी। कंपनी का कहना है कि यामाहा की सभी अपडेटेड बाइक्स ई-20 कंप्लाइंट पेट्रोल से चलती हैं और इनमें टेक्शन कंट्रोल और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसे

फीचर्स मिलते हैं। कंपनी की यामाहा आर15 वर्जन 4.0, एफजेडएफवन वर्जन 4.0 और 2024 एफजेड-एक्स डिलक्स बाइकों के साथ वाय-कनेक्ट एप मिलेगा। इस एप से बाइक और मोबाइल एक-दूसरे से कनेक्ट रहेंगे। इसमें बाइक के इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर स्क्रीन पर फोन के नोटिफिकेशन देखे जा सकेंगे। इसमें कॉल एलर्ट, एसएमएस, ई-मेल, एप कनेक्टिविटी स्टेटस और फोन बैटरी लेवल स्टेटस शामिल हैं।

देश के कई हिस्सों में मात्र 1799 रुपए में कर सकते हैं ट्रैवल

एयर इंडिया ने लॉन्च किया स्पेशल प्रमोशनल कैंपेन

नई दिल्ली ।

स्वदेशी टाटा समूह की स्वामित्व वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उडान से देश के कई हिस्सों में आप मात्र 1799 रुपए में ट्रैवल कर सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए एक स्पेशल प्रमोशनल कैंपेन लॉन्च किया है। इस कैंपेन का नाम है टाइम टू ट्रैवल। एयरलाइंस का यह ऑफर 11 जनवरी 2024 से 11 जनवरी 2025 तक वैलिड रहने वाला है। ऐसे में यह स्पेशल ऑफर पूरे एक साल के लॉन्च किया गया है। इस ऑफर के तहत यात्रियों को केवल 1799 रुपए में बेंगलुरु-चेन्नई, दिल्ली-जयपुर, बेंगलुरु-कोच्चि, दिल्ली-ग्वालियर और कोलकाता-बागडोगरा के लिए सस्ती कीमतों पर सफर करने का मौका मिल रहा है। टाटा ग्रुप की एयरलाइंस कंपनी विस्तारा ने भी अपने ग्राहकों के लिए 9वीं सालगिरह पर एक स्पेशल एनिवर्सरी सेल का ऐलान किया है। इस सेल के मुताबिक पैसेंजर्स को कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर स्पेशल छूट का लाभ मिल रहा है। एयरलाइंस ने 9 जनवरी 2015 को पहली बार अपना ऑपरेशन शुरू किया था। अपने अधिकारिक एक्स/ट्विटर हैंडल पर इस बारे में जानकारी साझा करते हुए एयरलाइंस ने बताया है कि यह ऑफर 9 जनवरी, 11 जनवरी 2024 से लेकर 30 सितंबर 2024 तक वैलिड है। इस ऑफर के मुताबिक घरेलू एयरलाइंस में इकोनॉमी क्लास में 1809 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी में 2309 रुपए और बिजनेस क्लास में 9909 रुपए प्रति टिकट के हिसाब से शुल्क देना होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय टूर के लिए इकोनॉमी क्लास में 9999 रुपए, प्रीमियम इकोनॉमी में 13,499 रुपए और बिजनेस क्लास में 29,999 रुपए में टिकट ऑफर किया जा रहा है।

एयरलाइंस द्वारा चलाए जाने वाले स्पेशल प्रोग्राम के जरिए ऐसे मेंबर्स को 8 फीसदी न्यू कॉइन्स भी मिलता है। इसके साथ ही मेंबर्स को खाने, सीट के चुनाव, फ्लाइट टिकट कैंसिल करने, बैगेज रूल्स आदि में कई तरह की विशेष छूट का लाभ मिलता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस नियूपास रिवार्ड्स प्रोग्राम के तहत कई मेंबर्स को फ्री में प्रॉयोरिटी सर्विस मिल रही है। यह सुविधा हाईफ्लायर और जेटसेटर बैज को ही मिल रही है।

हर तीन दिन में एक नया स्टोर शुरु करेगा टाटा स्टारबक्स

2028 तक स्टोरों की संख्या 1,000 करने की योजना

नई दिल्ली । टाटा स्टारबक्स प्राइवेट लिमिटेड ने हर तीन दिन में एक नया स्टोर शुरु करेगा। साथ कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या भी दोगुनी करने की योजना बनायी है। कंपनी ने भारत में 2028 तक अपने स्टोरों की संख्या 1,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि इससे पहले नवंबर में लंबी अवधि की ट्रिपल शॉट रीइंवेन्शन स्ट्रैटेजी पेश की गई थी। इस रणनीति का पूरा ध्यान स्थानीय पाटर्नरों को रोजगार के लिए तैयार करने, बेहतर अनुभव के साथ ग्राहकों को सेवाएं देने वाले नए स्टोरों की शुरुआत करने की ओर है। साथ ही कंपनी दुनिया भर में स्टारबक्स के ग्राहकों के बीच भारतीय मूल की कॉफी को बढ़ावा देना चाहती है। उसने कहा कि पूरी दुनिया में भारत स्टारबक्स के सबसे तेजी से वृद्धि करते बाज़ारों में से एक है। इसी रणनीतिक महत्व की वजह से कंपनी आने वाले दिनों में भारत में अपनी उपस्थिति को दोगुना करने वाली है। स्टारबक्स कॉफी कंपनी और टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम द्वारा 2012 में शुरू किया गया टाटा स्टारबक्स अब 54 भारतीय शहरों में 390 से ज़्यादा स्टोर का संचालन करता है जहां लगभग 4,300 कर्मचारी कार्यरत हैं।कंपनी की योजना टियर 2 और टियर 3 भारतीय शहरों तक पहुंचने, ड्राइव-थ्रू, एयरपोर्ट और अपने 24 घंटों वाले स्टोर का विस्तार करना है, ताकि ग्राहकों को हर जगह सेवाएं दी जा सकें। 2028 तक अपने स्टोरों की संख्या 1,000 तक ले जाने के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करके 8,600 करेगी।

अगले माह श्रीलंका और आयरलैंड का दौरा करेगी अफगानिस्तान

काबुल । अफगानिस्तान की टीम अगले माह फरवरी में श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ सभी प्रारूपों में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 2 फरवरी से 18 मार्च के बीच होने वाली इन दो अलग-अलग सीरीजों के आयोजन की घोषणा की है। टीम पहले 2 से 21 फरवरी तक एकमात्र टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैचों के लिए श्रीलंका जाएगी। इसके बाद 28 फरवरी से 18 मार्च तक यूएई में तीन मैचों की सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी। अफगानिस्तान टीम श्रीलंका दौरे में 2 से 6 फरवरी तक कोलंबो में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद 9,11 और 14 फरवरी को वह तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। कोलंबो में तीन टी20 मैच 17, 19 और 21 फरवरी को दांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के सीईओ नसीब खान ने कहा है कि अगले कुछ महीनों तक अफगानिस्तान की टीम को काफी क्रिकेट खेलना है। इस प्रकार के सत्र से टीम और बेहतर होगी। इससे उसे आगामी टी20 विश्व कप में लाभ होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

मोहाली ।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ यहां होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। भारतीय टीम अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ हमेशा जीती है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। इन दोने के आने से भारतीय टीम और बेहतर हुई है। इस सीरीज में ये दोनो ही बेहतर प्रदर्शन कर आगामी टी20 विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। आगामी टी20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की यह सीरीज भारत के लिए आखिरी है, ऐसे में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी तैयारियों को पक्का करना रहेगा।

इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों तिलक वर्मा, रिंकू सिंह सहित कई अन्य को भी अवसर दिया गया है। और वे भी सबका ध्यान खींचना चाहेंगे। सीरीज में अनुभवी सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण शामिल नहीं किये गये हें। रोहित और कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ दोनों बड़े स्कोर बनाकर विश्वकप के लिए तैयारी बेहतर करना चाहेंगे। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बगैर उतरेगी जो नवंबर में कमर की सर्जरी के बाद से अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जदरान ने कहा, 'वह पूरी तरह से फिट नहीं है। हमें उसकी कमी खलेगी और उसके नहीं होने से हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा लेकिन हमें हर तरह के हालात के लिए तैयार रहना होगा। गत विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन से प्रेरित होकर अफगानिस्तान टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। राशिद की गैर मौजूदगी के बावजूद टीम के पास मुजीब जदरान, हजरतुल्लाह जाजई। और रहमानुल्लाह गुरबाज जैसे शानदार खिलाड़ी भी हैं। विराट और रोहित दोनों दर्शकों के पसंदीदा हैं और उनके खेलने से मोहाली में इस मैच को लेकर काफी रोमांच है। कप्तान रोहित शर्मा पावरप्ले में अपना आक्रामक अंदाज दोहराना चाहेंगे। दूसरी ओर कोहली बीच के ओवरों में बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ खेलना चाहेंगे। इस सीरीज में यशस्वी जायसवाल और तिलक वर्मा टीम में हैं लेकिन पारी की शुरूआत रोहित के साथ शुभमन गिल ही करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में गिल का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा और ऐसे में वह अच्छा स्कोर करना चाहेंगे। दक्षिण अफ्रीका में रिंकू सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया और वह मध्यक्रम में चोटिल सूर्यकुमार और पांड्या की कमी पूरी करना चाहेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी जितेश शर्मा या संजू सैमसन में से किसी एक को मिलेगी। पिछली दो श्रृंखलाओं में विकेटकीपिंग कर चुके जितेश को वरीयता मिलने की उम्मीद है। शिवम दुबे भी टीम में हैं और तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर खेल सकते हैं। तेज गेंदबाजी का जिम्मा अर्शदीप सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार पर होगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20सीरीज के लिए मैथ्यूज की श्रीलंकाई टीम में वापसी

कोलंबो ।

श्रीलंका ने अनुभवी खिलाड़ी एंजेलो मैथ्यूज को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20सीरीज के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। ऐसे में मैथ्यूज तीन साल के बाद इस प्रारूप में खेलते हुए नजर आयेंगे। दोनों टीमें एकदिवसीय सीरीज के समापन के बाद टी20 सीरीज खेलेंगी। इस सीरीज के सभी तीन मैच 14, 16 और 18 जनवरी को केड्डारामा में खेले जाएंगे। इस सीरीज में कुसल परेरा, धनंजय डी सिल्वा, अकिला धनंजय, नुवान तुषारा और कामिन्दु मेंडिस जैसे खिलाड़ी भी शामिल किये गये हैं। वहीं कप्तान के तौर पर स्पिनर वानिंदु हसरंगा पहली बार उतरेंगे। पारी की शुरुआत अविष्का फर्नांडो करेंगे जबकि क्रम के बल्लेबाज नुवानिदु फर्नांडो और जेनिथ लियानाज में से किसी एक को उनके जोड़ीदार के तौर पर उतारा जा सकता है। डुनिथ वेलालेज, प्रमोद मदुशन और जेफरी वेंडरसे भी टीम में शामिल नहीं हैं। पथुम निसांका फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इन तीन ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से टीम आगामी विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

श्रीलंकाई टीम : वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चैरिथ असलांका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), सदीरा समरविक्रमा, कुसल परेरा (विकेटकीपर), एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, कामिंदु मेंडिस, पथुम निसांका, महीश थीक्षाना , दुष्मंथा चमीरा, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, अकिला धनंजय।

हीली के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी20 में भारत को हराया

2-1 से सीरीज जीती

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा है। वहीं इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने 2-1 से सीरीज जीत ली है। तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 147 रन बनाए थे। इसके बाद मिले 148 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एलिसा हीली के अर्धशतक से आसानी से हासिल कर लिया। हीली के अर्धशतक के अलावा बेन मूनी ने भी शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले भारतीय टीम की शुरुआत शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। दोनो ने ही पहले विकेट के लिए 39 रन बनाये। शैफाली 17 गेंदों पर 26 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। वहीं जेमिमा रोड्रिग्ज केवल 2 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। स्मृति मंधाना भी 27 रन ही बन पायीं। इसके बाद ऋषा घोष ने पारी संभालने का प्रयास किया। ऋषा ने 28 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की सहायता से 34 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने मिलकर किसी प्रकार स्कोर 147 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अच्छी शुरूआत की। कप्तान हेली ने बेथ मूनी के साथ मिलकर पहली विकेट के लिए ही 85 रन बना दिए। हेली ने 38 गेंदों पर 9 चौके और एक छक्के की सहायता से 55 रन बनाये। ताहिला मैकग्रा ने 20 रन बनाये। एलिसा पैरी शून्य पर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद बेथ मूनी और लीचफील्ड ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 29वें ओवर में 7 विकेट से जीत दिला दी।

हरमनप्रीत की कप्तानी में चार देशों के टूर्नामेंट में उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

हार्दिक होंगे उपकप्तान

नई दिल्ली ।

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय पुरुष हॉकी टीम इसी माह 22 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में शुरु होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस टूर्नामेंट के लिए 26 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी है। इसमें जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम माने जा रहे इस टूर्नामेंट में भारत का मुकाबला फ्रांस, नीदरलैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका से होगा।

हार्दिक सिंह को इस टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा अराइजीत सिंह हुंडल और बॉबी सिंह धामी को पहली बार सीनियर स्तर पर खेलने के लिए शामिल किया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदार पवन , कृशन पाठक और पी आर श्रीजेश के पास रहेगीहै। टीम में अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की भी वापसी हुई है।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, 'ओलंपिक सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका दौरे से करने को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। इसमें हमें शानदार टीमों से खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हमने बड़ी टीम का चयन किया है जिससे सभी खिलाड़ियों को अवसर मिल सके और एफआईएच प्रो लीग से पहले मैं सभी को मैच हालात में खेलते देख सकूं। भारतीय टीम 22 और 24 जनवरी को फ्रांस से खेलेगी। वहीं उसका सामना 26 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका से और 28 जनवरी को नीदरलैंड से होगा।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

- गोलकीपर : पी आर श्रीजेश, कृशन पाठक और पवन
- डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरूण कुमार, सुमित, संजय, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम
- मिडफील्डर : विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विष्णुकांत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह
- फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी।

संक्षिप्त समाचार

अफ्रीकी क्रिकेटर केशव महाराज को राम भजन देता है ऊर्जा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के दिग्गज स्पिनर केशव महाराज को भारत के खिलाफ खेली गई सीमित ओवरों की सीरीज और टेस्ट सीरीज में बल्लेबाजी से पहले स्टेडियम पर राम भजन सुनते देखा गया। इस संबंध में केएल राहुल ने टेस्ट सीरीज के दौरान केशव महाराज से पूछा भी था, लेकिन उस समय उन्होंने नहीं बताया था। अब 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया है कि वे जब भी मैदान में जाएं तो भक्ति गीत बजाएं। इसके जरिए वे अपने शानदार करियर के लिए भगवान को धन्यवाद देना चाहते हैं। महाराज ने भारत के खिलाफ विभिन्न प्रारूपों में पांच विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर ने हाल ही में 2023 वनडे विश्व कप में भी 10 मैचों में 4.15 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लिए थे। वे इस समय साउथ अफ्रीका के मुख्य स्पिनर बने हुए हैं। केशव महाराज ने बताया, जाहिर है, कुछ ऐसा जो मैंने मीडिया के सामने रखा और उस गाने को बजाने का अनुरोध किया। मेरे लिए, भगवान मेरा सबसे बड़ा आशीर्वाद रहे हैं, जो मुझे मार्गदर्शन और अवसर दे रहे हैं। इसलिए ऐसा कुछ है, जो बहुत कम है, लेकिन मैं ये कर सकता हूं और यह आपको आपके क्षेत्र में ले आता है। मैदान में चलते हुए पृष्ठभूमि में राम सिया राम बजता हुआ सुनना एक अच्छा एहसास है। हाल ही में एक क्लिप वायरल हुई थी, जिसमें केएल राहुल महाराज से पूछ रहे थे कि आप जब भी बल्लेबाजी करने आते हैं तो राम सिया राम बजाया जाता है, जिसके बाद महाराज ने हां में सिर हिलाया था। इसी तरह विराट कोहली का हाथ जोड़कर तीरंदाजी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। यह गाना हिंदू पौराणिक कथाओं में भगवान राम को समर्पित है। इस समय ये ट्रेंडिंग में है, क्योंकि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होगा।

पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता बोले, रिंकू को टी20 विश्व कप में शायद ही अवसर मिले

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने कहा है कि आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को इसी साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में शायद ही अवसर मिले। दासगुप्ता के अनुसार इस मैच में छठे स्थान के लिए संजू सैमसन या जितेश शर्मा को अवसर मिल सकता है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के पास कई अच्छे सीनियर खिलाड़ी थे। दासगुप्ता ने कहा, रोहित और कोहली को जब टी20 में अवसर मिलने बंद हुए तब मुझे हैरानी हुई। जबकि पिछी बार भी हुए टूर्नामेंट में हमें सीनियर खिलाड़ियों की कमी खली थी। साथ ही कहा कि अगर आप 2022 में हुए इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के मुकाबले की जगह अभी की टीम देखें तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है पर मध्यक्रम में बदलाव नहीं हुआ। विराट नंबर 3 पर, सूर्यकुमार 4 पर, हार्दिक 5 पर फिर संजू सैमसन या जितेश शर्मा 6 पर है। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने आगे कहा, टी20 विश्व कप के अनुसार देखें तो रिंकू को बाहर होना पड़ सकता है क्योंकि चोट से उबरने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या की वापसी होगी जिससे रिंकू और तिलक वर्मा को जगह नहीं मिल पायेगी। इसके अलावा आपको छठे नंबर के लिए या तो जितेश या फिर सैमसन को शामिल करना होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे स्मिथ : सीए

सिडनी ।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए सलामी बल्लेबाज स्वीव स्मिथ को कप्तान बनाया है। इस सीरीज के लिए नियमित कप्तान पैट कमिंस को आराम दिया गया है। सीए ने इसके साथ ही ये भी कहा कि डेविड वार्नर के संन्यास लेने के कारण अब टेस्ट में पारी की शुरुआत भी स्मिथ ही करेंगे। वहीं वैकल्पिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मैट रेन्शॉ को भी टेस्ट दल में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज के साथ ही स्मिथ टेस्ट में पहली बार पारी की शुरुआत करेंगे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने कहा कि वॉर्नर की जगह स्मिथ ही पारी शुरु करेंगे। वह उस्मान ख्वाजा का साथ देंगे। गौरतलब है कि तीनों ही प्रारुपों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी कर चुके स्मिथ ने अब तक 105 टेस्ट खेले हैं पर इसमें वे मध्यक्रम में ही उतरे थे। स्मिथ ने टेस्ट प्रारुप में पारी शुरु करने में रुचि दिखायी थी। उन्होंन पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट से पहले कहा था कि वह पारी शुरु करना चाहते हैं। हालांकि टीम के कप्तान पैट कमिंस, स्मिथ को मध्य क्रम से हटाने के पक्ष में नहीं थे। क्योंकि स्मिथ 2013 से लगातार नंबर-4 पर ही बल्लेबाजी कर रहे थे। एकदिवसीय सीरीज में कमिंस के अलावा तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और मिचेल मार्श को भी जगह नहीं दी गयी है जबकि युवा तेज गेंदबाज लांस मौरिस, जाय रिचर्डसन, आरोन हार्डी, मैट शॉर्ट और नाथन एलिस को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

टेस्ट में पारी की शुरुआत करेंगे

ईशान मानसिक रुप से थके हैं या बोर्ड निकाल रहा नाराजगी ?

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को जिस प्रकार से अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर रखा गया है। उसपर कई दिग्गजों ने सवाल उठाये हैं। वहीं टीम प्रबंधन की ओर से कहा गया ईशान ने मानसिक थकान से उबरने आराम मांगा था। इस बल्लेबाज ने अब तक भारतीय टीम की ओर से दो टेस्ट, 27 एकदिवसीय और 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। विश्वकप में भी उन्हें कुछ ही मैच खेलने का मिले। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतराष्ट्रीय सीरीज में भी ईशान किशन भारतीय दल का हिस्सा थे। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उन्हें टी20 दल में शामिल किया गया पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। ईशान किशन साउथ अफ्रीका दौरे से मानसिक थकान का हवाला देकर लौट गए थे। ऐसी खबरें आने लगीं कि ईशान को दल में रखने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पा रही थी जिसके चलते वह शायद परेशान थे। ये भी कहा जाने लगा कि ईशान अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से कुछ ज्यादा ही तनाव में आ गये थे। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि उनके दुबई में पार्टी करने की खबरों से भी क्रिकेट बोर्ड नाराज था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप 2023 के बाद जो पांच मैचों की टी20 सीरीज हुई थी, उससे ईशान किशन ने आराम मांगा था पर बीसीसीआई ने उनकी अर्जी को ठुकरा दिया था। सीरीज के तीन मैचों के बाद अंतिम दो मैच के लिए उन्हें आराम मिला। वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केवल टेस्ट सीरीज का हिस्सा बनना चाहते थे पर इस बार भी उन्हें ब्रेक नहीं दिया गया। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ईशान पहले टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। इससे साफ है कि ईशान और बीसीसीआई के बीच कुछ मतभेद जरुर हैं हालांकि बोर्ड की ओर से कहा जा रहा है कि वह मानसिक रुप से थका हुआ है और आराम चाहता है।

पेगुला ने पेरा को हराकर एडिलेड क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एडिलेड। एडिलेड इंटरनेशनल में बुधवार को एक ऑल-अमेरिकन मुकाबले में नंबर 2 सीड जेसिका पेगुला ने बर्नार्डा पेरा को 4-6, 6-2, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जेसिका पेगुला को एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करने और डब्ल्यूटीए 500 इवेंट के दूसरे दौर में 69वीं रैंक वाली पेरा पर जीत हासिल करने के लिए 2 घंटे और 12 मिनट की जरूरत पड़ी। अपने पहले दौर में बाई के बाद पेगुला ने सीज़न के अपने दूसरे आयोजन में 2024 में जीत-हार का रिकॉर्ड 2-1 बना लिया। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले हफ्ते के यूनाइटेड कप में गत चैंपियन अमेरिकी टीम के हिस्से के रूप में पेगुला ने अजला टोमलजानोविक को हराकर 1-1 से बढ़त हासिल की, लेकिन केटी बोल्टर से उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उनका सामना गुरुवार को कैटरीना सिनियाकोवा और अनस्तासिया पावलुचेनकोवा के बीच होने वाले ऑल-क्वालीफायर मुकाबले की विजेता से होगा। सिनियाकोवा ही वह खिलाड़ी थीं जिन्होंने क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में पेरा को हराया था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट , रोहित शीर्ष दस में शामिल

गेंदबाजी में अश्विन शीर्ष पर कायम

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)। की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा ऊपर आये हैं। विराट अब तीन पायदान ऊपर आकर टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे पर क्रिये अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। विराट ने भारतीय टीम की ओर से दौरे में सबसे ज्यादा 172 रन बनाए थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा को भी 4 स्थान का लाभ हुआ है उनकी एक बार फिर शीर्ष 10 में वापसी हुई है। वह दसवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह एक स्थान के लाभ के साथ ही चौथे नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजों में आर अश्विन शीर्ष पर हैं। विराट दक्षिण अफ्रीका दौरा शुरू होने से पहले टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 9वें नंबर पर थे। पहले ही मैच में उन्होंने 38 और 76 रन की पारियां खेल दीं। दूसरे मैच में विराट ने 46 रन बनाये। वहीं रोहित दौरा शुरु होने से पहले 14 वें स्थान पर थे। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी एक स्थान का लाभ हुआ है। वह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर 3 पारियों में 12 विकेट लिए थे। वहीं

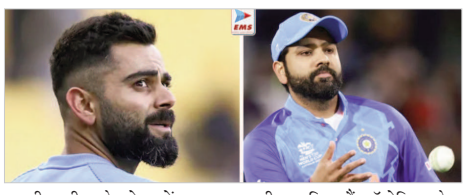

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 13 स्थान का लाभ हुआ है। वह 13 स्थान ऊपर आकर 17वें नंबर पर पहुंच गए। गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के ही ऑफ स्पिनर आर अश्विन शीर्ष पर हैं। जबकि रवींद्र जडेजा पांचवें नंबर पर हैं। शीर्ष-5 गेंदबाजों में 3 भारतीय शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक साथ के लाभ के साथ ही दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे स्थान पर खिसक गये हैं।

इंग्लैंड से खेलने को पहली प्राथमिकता देते हैं लिविंगस्टोन

केपटाउन । ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने कहा है कि लीग क्रिकेट की जगह पर इंग्लैंड टीम से खेलना उनकी पहली पसंद रहेगी। लिविंगस्टोन ने पिछले कुछ समय में टी20 क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इसके बाद भी ये क्रिकेटर अपने देश की टीम की ओर से खेलने को पहली प्राथमिकता देता है। लिविंगस्टोन वर्तमान समय में विश्व के सबसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड की ओर से 25 एकदिवसीय और 38 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की ओर से खेला है। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग (एसए20) के दूसरे सत्र में वह एमआई केपटाउन की ओर से खेलेंगे। इस टीम में कैगिसो रबाडा और कप्तान कीरोन पोलार्ड जैसे स्टार बल्लेबाज भी शामिल हैं। वहीं लीग क्रिकेट और इंग्लैंड के प्रतिनिधित्व के बीच तालमेल बिठाने के बारे में पूछे जाने पर इस बल्लेबाज ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि इंग्लैंड की ओर से खेलना पहले आता है। हम साल की शुरुआत में अपना कैलेंडर देखते हैं और यह तय करते है कि हमारे पास कब लीग खेलने का समय है। अगर हमें लगता है कि यह हमारे लिए फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलने का एक अच्छा अवसर है, तो हम ऐसा करेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि अगर हमें लगता है कि हमें आराम की जरूरत है और यह हमारे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाधा बन रहा है, तो हम शायद आराम करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव सूरत के अडाजण रिवरफ्रंट में मेयर दक्षेशभाई मावानी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया

सुरत भुमि, सूरत।

गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड, सूरत नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त पहल पर महापौर श्री दक्षेशभाई मवानी की अध्यक्षता में "अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव -2024" आयोजित किया गया। जिसमें 12 देशों के 37 पतंगबाज और भारत के तीन राज्यों के 14 पतंगबाज और सूरत, नवसारी, भरूच के 39 पतंगबाजों सहित 97 पतंगबाजों ने अवनवा पतंग उड़ाकर आसमान को रंगीन बना दिया।

देशी-विदेशी पतंगबाजों ने भाटीगल पतंगों से कुशल पतंगबाजी का प्रदर्शन कर सुरतीवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुशल पतंगबाजों ने टचुकाडा, विराटकाया और अवनवा रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाकर दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर महापौर श्री दक्षेश मवानी ने जीवन में जीत-हार के गुण विकसित करने वाले इस महोत्सव में भाग लेने के लिए सभी को बधाई दी और कहा कि गुजरात ने पतंग महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव बनाकर पतंग महोत्सव के माध्यम से प्राचीन भारतीय संस्कृति को जीवित रखा है। रांदेर की पतंगों की विदेशों में मांग है जिससे रोजगार भी पैदा होता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी ने विदेशी पतंगबाजों का स्वागत करते हुए कहा कि नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इस मौके पर मु.आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने पतंग महोत्सव की रूपरेखा बताई और सूरतवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

पतंग महोत्सव में ऑस्ट्रेलिया, चिली, अर्जेंटीना, बुल्गारिया, बेलारूस, कंबोडिया, स्पेन, तुर्की, डेनमार्क, ब्राजील जैसे देशों के 37 पतंगबाजों और भारत के महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली के पतंगबाजों ने पतंगें उड़ाईं। भगवान श्रीराम की झलक दिखाती पतंग ने ध्यान खींचा। देश-विदेश से आए पतंगबाजों ने माला की परिक्रमा कर गुजरात की पहचान का सम्मान किया।

इस अवसर पर डे मेयर श्री नरेंद्र पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष श्री राजन पटेल, जिला कलेक्टर आयुष ओक, सत्तारूढ़ दल के नेता शशि त्रिपाठी, सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष सोनल देसाई, ड्रेनेज समिति अध्यक्ष केयूर चपतवाला, पार्क समिति गीताबेन सोलंकी, प्रांतीय अधिकारी श्री विक्रम भंडारी , पर्यटन विभाग की कार्यकारी तुलसीबेन हंसोती और नगरसेवक, नगर निगम-जिला प्रशासन के अधिकारी और बड़ी संख्या में पतंग प्रेमी और छात्र उपस्थित थे।

सूरत। गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड, सूरत नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लेने आए विदेश से आए पतंगबाजों में चिली के प्रतिभाशाली पतंगबाज मौरिसियो रोजास ने अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाया। वह पहली बार सूरत के पतंग महोत्सव में हिस्सा ले रहे हैं। वह चिली में अक्सर आयोजित होने वाले पतंग उत्सवों में नियमित रूप से भाग लेते हैं। 31 वर्षीय विशेषज्ञ पतंग-उड़ाने वाले मोरिशियो ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पूरी दुनिया में सबसे अच्छा पतंग उत्सव गुजरात में आयोजित किया जाता है, हमें गुजराती और खासकर सूरत के लोग बहुत प्यारे लगते हैं। सूरत का खाना भी मेरा पसंदीदा है। स्थानीय संगीत सुनने का आनंद लें। मैं सूरत के दर्शकों के प्रोत्साहन और प्रशासन द्वारा किए गए गर्मजोशी से स्वागत से बहुत खुश हूं। हम सूरत के निवासियों के प्रेम और आतिथ्य की मधुर स्मृति चिन्ह लेकर घर जायेंगे। हम राज्य सरकार के गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड, सूरत नगर निगम और जिला प्रशासन के सहयोग और आतिथ्य के लिए बहुत आभारी हैं।

सुरत भुमि, सूरत। फ्रेंड्स ऑफ श्याम द्वारा श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 51 लाख राम नाम लेखन श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को अभियान की विधिवत शुरुआत हुई एवं राम नाम लेखन पुस्तिका का विमोचन किया गया। फ्रेंड्स ऑफ़ श्याम ग्रुप ने बताया कि क़रीबन पंद्रह सौ परिवारों को राम नाम लेखन की पुस्तिका दी जाएगी एवं परिवार के सभी सदस्यों द्वारा राम नाम लेखन किया जाएगा। इसका उद्देश्य इस ऐतिहासिक अवसर पर सभी लोगों को जोड़ना एवं ख़ासकर युवा वर्ग को धर्म के प्रति जागरूक करने का है ताकि आने वाली पीढ़ी इस अवसर को ज़िंदगी भर याद रखें।

आईएसजीजे - इंटरनेशनल स्कूल ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी कॉलेज में जेम एन्ड जेमोलॉजी स्नातकों का स्नातक समारोह आयोजित

सूरत।

शहर के सिटीलाइट स्थित इंटरनेशनल स्कूल ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी (आईएसजीजे) के डायमंड और जेमोलॉजी स्टूडेंट्स के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। 150 से अधिक छात्रों ने डिग्री के साथ स्नातक करके उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं जो उन्हें आभूषण व्यवसाय में डायमंड सॉर्टर/ग्रेडर, जेम बिजनेस ओनर, जेमोलॉजिस्ट, जेम लेबोरेटरी और रिसर्च प्रोफेशनल, रिटेनर और होलसेलर के रूप में करियर बनाने में सक्षम बनाएगी, जिससे उनके लिए मार्ग प्रशस्त होगा एवं रत्न और आभूषणों की आकर्षक दुनिया में उम्दा करियर बना पाएंगे ।

स्नातक समारोह में आईएसजीजे के संस्थापक और सीईओ श्री कल्पेश देसाई का प्रेरक संबोधन हुआ, सभी स्नातक छात्रों को उनकी आशाजनक व्यावसायिक यात्रा शुरू करने की शुभकामनाएं देते हुए, श्री देसाई ने कहा, "हमारे स्नातकों की सफलता छात्रों और संकाय दोनों के समान समर्पण को दर्शाती है। आईएसजीजे को इन प्रतिभाशाली व्यक्तियों के भविष्य को आकार देने में भूमिका निभाने पर गर्व है।" उन्होंने कहा कि आईएसजीजे उत्कृष्टता का एक प्रतीक है, जो रत्न और आभूषणों की लगातार विकसित हो रही दुनिया में छात्रों को एक सफल और पूर्ण कैरियर की दिशा में मार्गदर्शन कर रहा है।

2015 में स्थापित, ISGJ एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगठन है जो आभूषण, हीरे, हीरे के पत्थरों के प्रबंधन में विशेषज्ञता रखता है। स्कूल अपने विशिष्ट व्यावसायिक कार्यक्रमों, व्यावहारिक सीखने के अनुभवों और उच्च योग्य और अनुभवी संकाय की एक टीम के लिए पहचाना जाता है। आईएसजीजे ने 22,000 से अधिक छात्रों को स्नातक होते देखा है और रत्न और आभूषण जेसे विविध और रोमांचक उद्योग क्षेत्र को विकसित हुए हैं।

प्रौद्योगिकी, विश्वास और टीम वर्क में दो दशकों से फैली बेंचमार्क एजेंसियां

अहमदाबाद।

वॉटर हीटिंग उद्योग में अग्रणी बेंचमार्क एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड ने शनिवार, 6 जनवरी को 2004 से 2024 तक अपने उत्पादों को लॉन्च करके 20 साल के नवाचार, उत्कृष्टता और विश्वास का जश्न मनाया।

पिछले दो दशकों से बेंचमार्क का मिशन आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के लिए बेहतर जल तापन सेवाएं और उत्पाद प्रदान करना रहा है। विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाले उपकरणों, प्रशिक्षित तकनीशियनों और टिकाऊ ऊर्जा के कुशल उपयोग के संयोजन के माध्यम से, बेंचमार्क अधिक मूल्य पैदा करना जारी रखता है।

कंपनी के मुख्य उत्पादों में आवासीय वॉटर हीटर, वाणिज्यिक वॉटर हीटर, जल उपचार समाधान और साथ ही सौर छत पीवी सिस्टम शामिल हैं। कंपनी पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाने पर गर्व करती है जो घरेलू सुरक्षा को बढ़ाते हैं और लागत बचत में योगदान करते हैं।

मील के पत्थर की उपलब्धि का जश्न मनाने के अवसर को संबोधित करते हुए, बेंचमार्क एजेंसियों के निदेशक, निशिथ जोशी ने कहा, "हमारा उद्देश्य हमेशा अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करना रहा है। सफलता की हमारी दो दशकों की यात्रा हमारे ग्राहकों के विश्वास का प्रतिबिंब है। हम बेहतर उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से अपने ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और ऐसे कई मील के पत्थर का जश्न मनाने के लिए तत्पर हैं।"

एसवीएनआईटी के प्रोफेसर डॉ. पूर्णानंद भाले, एसोसिएट प्रोफेसर, एसवीएनआईटी डॉ. मनीष राठौड़, मैथ्यू चेरियन, क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक (मध्य पूर्व और भारत) ब्रैडफोर्ड व्हाइट कॉर्पोरेशन, यूएसए और जॉनसन चेंग, सीईओ, रेस ग्रुप, ताइवान उपस्थित थे। बड़ी संख्या में उद्योग प्रतिनिधियों और व्यापार भागीदारों की उपस्थिति ने इस आयोजन के महत्व को और बढ़ा दिया।

बेंचमार्क एजेंसियों के निदेशक हिरेन सवाई ने कहा, "शुरू से ही स्थिरता हमारा मुख्य फोकस रहा है। हमने हर किसी के जीवन में हरित नवाचार लाने के लिए गहनता से काम किया है। यह हमारी प्रतिबद्ध टीम के साथ-साथ हमारे ग्राहकों के अमूल्य विश्वास की मदद से है कि हम आवासीय और वाणिज्यिक जल तापन समाधानों में जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखते हैं।

उत्सव के हिस्से के रूप में, बेंचमार्क ने सैटेलाइट क्षेत्र में सनशाइन बैंक्वेट में 150 से अधिक उत्पादों का प्रदर्शन किया, जो 2004 से 2024 तक कंपनी की निरंतर वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है। पांच हजार वर्ग फुट की जगह में फैले इस डिस्प्ले को 7 जनवरी रविवार तक देखा जा सकता है।

बेंचमार्क एजेंसियां पर्यावरण और अपने ग्राहकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के अपने प्रयासों के तहत प्रीमियम गुणवत्ता, सर्वोत्तम श्रेणी की सेवाएं, टिकाऊ परिणाम और अद्वितीय तकनीक की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

20 साल पूरे करने के अवसर पर, बेंचमार्क अपने डीलरों, वितरकों, आपूर्तिकर्ताओं, भागीदारों और लाखों ग्राहकों सहित सभी हितधारकों को उनके समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद देना चाहता है।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया डीएसपी मल्टीकैप फंड

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने डीएसपी मल्टीकैप फंड लॉन्च करने की घोषणा की है, जो एक ओपन-एंडेड स्कीम है और इंवेस्टर्स को लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक, इंवेस्टमेंट स्टाइल और उद्योगों में इंवेस्टमेंट करने की सुविधा देती है। समय पर फिर से संतुलन करने के साथ-साथ मिड और स्मॉल कैप के लिए समर्पित मार्केट कैप एक्सपोज़र के साथ, मल्टीकैप रणनीति इंवेस्टर्स को निफ्टी 500 की तुलना में बेहतर डाइवर्सिफ़िकेशन और परफॉर्मेंस में सुधार मुहैया करवाती है। एसआईपी की ओर से सिफारिश किया गया फंड इंवेस्टर्स को अलग-अलग क्षेत्रों, शैली और मार्केट कैप के अवसर हासिल करने के लिए ऐक्सेस देता है

ज्यादातर, एनएफओ एकमुश्त इंवेस्टमेंट्स को बढ़ावा देते हैं। हालाँकि, हमारा मानना है कि ये एसआईपी और एसटीपी के ज़रिए इंवेस्ट करने का समय है-मूल रूप से, अगले कुछ बरसों में इंवेस्टमेंट ज्यादा करना। इसलिए, हम एक एसआईपी केंद्रित डीएसपी मल्टी कैप फंड लॉन्च कर रहे हैं। यह स्मॉल और मिड-कैप के मौजूदा लोकप्रिय क्रेज़ में लार्ज कैप/ग्लोबल स्टॉक को ज़्यादा अहमियत देता है। मार्केट कैप के अलावा, जब ग्रोथ स्टाइल (वृद्धि शैली) अच्छी तरह से काम करती है, तो उसके अलग-अलग चरण होते हैं और जब वैल्यू स्टाइल (मूल्य शैली) अच्छी तरह से काम करती है, तो वह लंबे समय तक आगे बढ़ती है। डीएसपी म्यूचुअल फंड के एमडी और सीईओ, कल्पेन पारेख कहते हैं, "हम इन दोनों शैलियों को अपने मल्टी-कैप फंड में मिलाएँगे, ताकि यह तय किया जा सके कि इंवेस्टर्स को उन्हें समय देने और टैक्स एफिशिएंसी बनाने की ज़रूरत न हो।"

स्टॉक के एक ही तरह के सेट में इंवेस्ट करने के बावजूद, मल्टीकैप रणनीति ने 1 अप्रैल, 2005 और 30 नवंबर, 2023 के बीच 5 साल की रोलिंग अवधि में 10 में से लगभग 8 बार निफ्टी 500 को पीछे छोड़ दिया है।

योट्टा का क्लाउड डेटा सेंटर गिफ्ट सिटी, गुजरात में लाइव हुआ

गांधीनगर ।

योट्टा जी1 डेटा सेंटर की घोषणा वाइब्रेंट गुजरात में की गई थी, जो गांधीनगर गिफ्ट सिटी में स्थित है और यह रणनीतिक स्थान पर एकमात्र डेटा सेंटर सुविधा है जो न केवल कोलोकेशन प्रदान करता है बल्कि एआई मॉडल और एंटरप्राइज़ अनुप्रयोगों सहित विभिन्न आवश्यकताओं के लिए पूर्ण क्लाउड सेवाएं भी प्रदान करता है।, विविधता प्रदान करता है सुव्यवस्थित आईटी और साइबर सुरक्षा सेवाओं से लेकर भंडारण और प्रसंस्करण और डेटा और अनुप्रयोगों तक की सेवाएं।

अत्याधुनिक डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सेवा प्रदाता, योट्टाडेटा सर्विसेज ने घोषणा की है कि गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में स्थित उसका "योट्टाजी1" नामक अत्याधुनिक डेटा सेंटर इसके लिए तैयार है। अपनी सेवाएँ प्रदान करें।

यह डेटा सेंटर योट्टा के गुजरात में प्रवेश का प्रतीक है और भारत के तेजी से बढ़ते बाजार में डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के कंपनी के मिशन को आगे बढ़ाता है।

योट्टा की देश में 5वीं डेटा सेंटर सुविधा। यह चार प्रमुख परिचालन डेटा केंद्रों में शामिल हो जाएगा, जिनमें से दो नवी मुंबई और ग्रेटर नोएडा में हाइपरस्केल परिसरों का हिस्सा हैं। YotaG1 विशिष्ट रूप से गांधीनगर में गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) के अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC) क्षेत्र में स्थित है।

पांच साल की अवधि में 500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ, योट्टा के पास 350 उच्च-घनत्व रैक और महत्वपूर्ण गैर-आईटी और आईटी/ में 2 मेगावाट बिजली (मांग पर स्केलेबल) की क्षमता वाला एक जी1 डेटा सेंटर भी है। क्लाउड/एआई कंप्यूटर अवसंरचना। यह सुविधा हमारे ग्राहकों की अधिकांश डिजिटल जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है, चाहे वह गिफ्ट सिटी में हो या दुनिया में कहीं भी, उच्च प्रदर्शन वाले क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से आसानी से उन्नत भौतिक और साइबर सुरक्षा प्रदान करके।

G1 डेटा सेंटर त्रङ्कस्न्रज्ञ सिटी ढ्ढस्नस्ष्ट ज़ोन से संचालित होने वाले बड़े वैश्विक उद्यमों के लिए एक संभावित डेटा दूतावास के रूप में काम करेगा, जहां वे अपने डेटा को अपने देश के कानूनों और विनियमों के अनुसार संग्रहीत कर सकते हैं और यहां तक कि उन्हें अपने डेटा पर संप्रभुता बनाए रखने की अनुमति भी दे सकते हैं। जब डेटा भारत में संग्रहीत किया जाता है। एक भौतिक ईए डेटा सेंटर स्थान भी हमेशा आईएफएससी नियमों के अनुपालन में होता है जो क्षेत्र में व्यवसायों को मुफ्त विदेशी मुद्रा परिवर्तनीयता, एक उदार नियामक वातावरण और व्यापार-अनुकूल नीतियों जैसे अद्वितीय लाभ प्रदान करता है। यह आईएफएससी की आवश्यकता का अनुपालन करने में मदद करता है, जो आईएफएससी क्षेत्र में उनके डेटा को होस्ट करना अनिवार्य है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो g34 5G - सेगमेंट का सबसे तेज 5G फोन स्नैपड्रैगन

भारत के सर्वश्रेष्ठस्र 5G स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मोटो G34 5G को लॉन्च किया, जो इसकी त्र सीरीज फ्रेंचाइजी का नवीनतम भाग है। यह स्मार्टफोन सेगमेंट के सबसे तेज 5G परफॉरमेंस के साथ किफायती 5G स्मार्टफोन बाजार में हलचल मचा देगा, जो कि स्नैपड्रैगन0 695 5G ऑक्टा-कोर प्रोसेसर द्वारा संचालित है, जो सेगमेंट के उच्चतम - 13 5G बैंड, VoNR सपोर्ट और 4 कैरियर एग्रीगेशन प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, मोटो G34 5G देखने में शानदार है, इसमें प्रीमियम, वेगन लेदर फिनिश के साथ-साथ 3D ऐक्रेलिक ग्लास (PMMA) फिनिश दी गई है, साथ ही यह सेगमेंट में सबसे पतले और सबसे हल्के डिवाइसों में से एक है। मोटो G34 5G विभिन्न सेगमेंट के अग्रणी फीचर्स के साथ आता है, जिसमें नवीनतम एंड्रॉइड 14, 50MP कैमरा सिस्टम, डॉल्बी एटमॉस के साथ स्टीरियो स्पीकर, 120H5 6.5" डिस्प्ले, साथ ही मोटो सिक्योर, फैमिली स्पेस, मोटो अनप्लग्ड, मोटो कनेक्ट और रेडी फॉर PC जैसी कई अलग-अलग सॉफ्टवेयर सुविधाएं इसे अपने सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ* 5G स्मार्टफोन बनाती हैं।

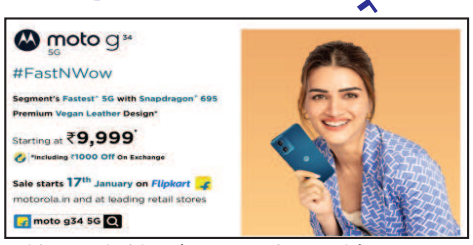

मोबाइल बिजनेस ग्रुप – भारत के प्रबंध निदेशक, श्री टी.एम नरसिंहन ने लॉन्च पर बोलते हुए कहा, "हम इस साल की शुरुआत पर मोटो G34 5G के लॉन्च के साथ बहुत उत्साहित हैं। हमारा उत्तेश्य देश भर में बेहतरीन 5G स्मार्टफोन अनुभवों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। यह स्मार्टफोन एक पूर्ण, कोई समझौता नहीं करने वाला 5G डिवाइस है, जो एक किफायती मूल्य पर उपलब्ध है। यह एक शक्तिशाली प्रोसेसर के साथ आता है, जो उपयोगकर्ताओं को निर्बाध कंटेंट के इस्तेमाल और अन्य के लिए 5त्र की क्षमता को पूरी तरह से उपयोग करने की अनुमति प्रदान करता है, साथ ही वीगन लेदर फिनिश, नवीनतम एंड्रॉयडड्ड 14 और अन्य अत्याधुनिक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर फीचर्स के साथ एक बहुत शानदार डिज़ाइन मिलता है। हमें यकीन हैं कि यह स्मार्टफोन नए मानकों को स्थापित करेगा और भारतीय स्मार्टफोन उद्योग में 5G के इस्तेमाल को तेजी से बढ़ाएगा।" सेगमेंट के सबसे तेज़* 5G परफॉर्मेंस के साथ, स्नैपड्रैगन 695 5G ऑक्टा-कोर प्रोसेसर से युक्त, मोटो G34 5G सहज मल्टीटास्किंग और गेमिंग क्षमता प्रदान करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)